राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,21 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–86 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा ने पूर्व डिप्टी सीएम के. ईश्वरप्पा के बेटे को नहीं दिया टिकट, शिवमोगा से ये होंगे उम्मीदवार

ईश्वरप्पा ने अपने बेटे के ई कंतेश के लिए टिकट की मांग की थी। अब भाजपा ने चौंकाते हुए ईश्वरप्पा की मांग को ठुकराते हुए चन्नाबासप्पा के नाम का एलान किया है।

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए आज नामांकन का आखिरी दिन है। इससे पहले भाजपा ने बुधवार को अपनी चौथी और आखिरी लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में शिवमोगा और मानवी सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया। इस लिस्ट के मुताबिक शिवमोगा की हाई प्रोफाइल सीट से भाजपा ने पूर्व डिप्टी सीएम के ईश्वरप्पा को झटका देते हुए उनके बेटे को टिकट नहीं दिया।

ईश्वरप्पा के बेटे को नहीं मिला टिकट

भाजपा ने शिवमोगा से चन्नाबासप्पा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पांच बार शिवमोगा सीट से विधायक रहे के एस ईश्वरप्पा ने इस बार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भी अपनी इच्छा बता दी थी।

जिसके बाद पार्टी ने के एस ईश्वरप्पा के नाम पर विचार नहीं किया। हालांकि ईश्वरप्पा ने अपने बेटे के ई कंतेश के लिए टिकट की मांग की थी। अब भाजपा ने चौंकाते हुए ईश्वरप्पा की मांग को ठुकराते हुए चन्नाबासप्पा के नाम का एलान किया है।

मंजूनाथ भी जदएस में गए

के एस ईश्वरप्पा के चुनाव लड़ने से इनकार के बाद वरिष्ठ भाजपा नेता और एमएलसी अयनुर मंजूनाथ शिवमोगा से टिकट के उम्मीदवार थे। हालांकि बीते दिनों अयनुर मंजूनाथ ने भाजपा का साथ छोड़कर जनता दल सेक्यूलर की सदस्यता ले ली थी। मंजूनाथ अब जदएस के टिकट पर शिवमोगा से उम्मीदवार हैं।

मानवी से बी वी नायक लड़ेंगे चुनाव

मानवी सीट आरक्षित है, जहां से भाजपा ने बी वी नायक को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा अब कुल 224 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों का एलान कर चुकी है। आज नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब उम्मीदवार चुनाव प्रचार में ताकत झोकेंगे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को वोटों की गिनती होगी।

● भाजपा ने शिवमोगा से चन्नाबासप्पा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पांच बार शिवमोगा सीट से विधायक रहे के एस ईश्वरप्पा ने इस बार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था।

केदारनाथ धाम के लिए सेवादारों के वाहन को धामी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को श्री केदारनाथ धाम के सेवादार सदस्यों के दल के वाहनों का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन सेवादारों द्वारा श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 21 से 25 अप्रैल तक श्रद्धालुओं के लिए उत्तराखण्ड के मुख्य सेवक के नाम पर भंडारे का आयोजन किया जायेगा। बाबा केदार की डोली के गुप्तकाशी से केदारनाथ पहुंचने तक यात्रा पड़ावों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा तथा 24 और 25 अप्रैल को हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। श्री धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी तैयारियां की गई है। चारधाम यात्रा की नियमित समीक्षा की जा रही है। चारधाम यात्रा के प्रति लोगों में काफी उत्साह हैं।

अभी तक 16 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। स्वयं सेवी संगठनों एवं सामाजिक संगठनों का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा की देवभूमि उत्तराखण्ड आने वाले सभी श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर कर्नल अजय कोठियाल (सेवानिवृत्त) भी उपस्थित थे।

बद्रीनाथ में डेढ़ फुट से अधिक बर्फ जमी

बद्रीनाथ। देश के विभिन्न राज्यों में जहां रिकॉर्ड गर्मी पड़ रही है। वहीं हिमालय राज्य उत्तराखंड के कई पर्वतीय इलाकों में हिमपात हो रहा है। बद्रीनाथ में डेढ़ फुट से अधिक बर्फ जमी गयी है।

मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में पिछले दो दिन से बदले मौसम के कारण बद्रीनाथ , हेमकुंड , तुंगनाथ , रुद्रनाथ में भारी हिमपात हुआ। बद्रीनाथ में बदरी पुरी में ही डेढ़ से दो फिट बर्फ जम गयी है। जो की सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन सकता है। गौरतलब है कि बद्रीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को खुलने जा रहे हैं।

कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की छठी और फाइनल लिस्ट

नई दिल्ली। कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों की छठी और अंतिम सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने इस लिस्ट में रायचूर, सिडलाघाटा, सीवी रमम नगर - एससी , अरकलगुड़ और मंगलौर सिटी नार्थ विधानसभा सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। कांग्रेस ने रायचुर निर्वाचन क्षेत्र से मोहम्मद सलाम को मैदान में उतारा है। इसके अलावा सिडलाघाटा से बीवी राजीव गौड़ा, सीवी रमन नगर - एससी से ए आनंद कुमार, अरकलगुड़ से एचपी श्रीधर गौड़ा और मंगलौर सिटी नॉर्थ से इनायत अली को चुनावी मैदान में उतारा है।

इससे पहले कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की थी। कांग्रेस ने बीजेपी से आए पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और लोक सभा सांसद शशि थरूर को स्टार प्रचारक की लिस्ट में शामिल कि?या है।

इसके साथ ही राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू,

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मो. अजहरुद्दीन, राजयसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया गया है। राज बब्बर और दिव्या सपंदना को भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में रखा गया है।

नोएडा में आसमान पर पहुंचेगी मकान की कीमत, प्राधिकरण ने बनाया प्रस्ताव

किसानों को मिलेगा ज्यादा मुआवजा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा और ग्रेनो में प्रॉपर्टी खरीदना अब 15 प्रतिशत तक और महंगा हो जाएगा। नोएडा प्राधिकरण की 23 अप्रैल और ग्रेनो प्राधिकरण की 21 अप्रैल को होने वाली बोर्ड बैठक में आवंटन दर में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा जाएगा। वहीं, किसानों के मुआवजे में करीब 400 रुपये प्रति वर्ग मीटर की वृद्धि करने की तैयारी है। इसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट भी प्रस्तुत किया जाएगा। ग्रेनो प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 21 अप्रैल को चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में होगी। इसमें करीब 20 प्रस्ताव रखे जाने की उम्मीद है। इसमें प्राधिकरण का बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार प्राधिकरण का बजट करीब 4500 करोड़ रुपये का होगा। प्राधिकरण सेक्टर और ग्राम विकास के साथ ही जमीन खरीद के लिए बजट में फंड का प्रावधान करेगा। बैठक में बिल्डरों से संबंधित भी प्रस्ताव रखे जाएंगे। दो बिल्डरों के रद्द किए आए आवंटन को बहाल किए जाने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा। वहीं नोएडा प्राधिकरण की 23 अप्रैल को होने वाली बोर्ड बैठक में आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत आदि संपत्तियों की आवंटर दर में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तैयारी है।

अभी इन दरों से होता है आवंटन

वर्तमान में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के आवासीय सेक्टर में आवंटन दर 29000 से लेकर 39000 रुपये प्रति वर्ग मीटर तक है। यहां के सेक्टर चार श्रेणी में बंटे हैं। व्यावसायिक भूखंडों की आवंटन दर 52000 से लेकर 75000 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। संस्थागत की आवंटन दर 13000 से लेकर 22500 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। औद्योगिक भूखंड की आवंटन दर 25000 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। बिल्डर भूखंड के लिए 45000 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर तय है।

मुआवजे में वृद्धि

आवंटन दर बढ़ाने के साथ ही प्राधिकरण किसानों के मुआवजे में वृद्धि कर सकता है। अभी किसानों को 3750 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा मिलता है। इसमें छह प्रतिशत आबादी का भूखंड नहीं मिलता है। इसमें करीब 400 रुपये प्रति वर्ग मीटर की वृद्धि हो सकती है। हालांकि किसान आबादी के लिए भूखंड की मांग करते आ रहे हैं।

नीतिगत प्रस्ताव भी रखेंगे

प्राधिकरण में कुछ नीतिगत प्रस्ताव भी रखे जाएंगे। नीति गत प्रस्तावों के पास होने के बाद उन्हें लागू कर दिया जाएगा। बोर्ड बैठक को लेकर प्राधिकरण में तैयारी चल रही हैं। प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सभी विभाग अपने-अपने प्रस्तावों पर काम कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में बनेंगे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के कोच

ग्रेटर नोएडा। यीडा के सेक्टर-10 में वंदे भारत ट्रेन के लिए कोच बनेंगे। निवेश करने वाली कंपनी ने 100 एकड़ जगह मांगी है। वह पहले चरण में सात हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कंपनी पश्चिम बंगाल में पहले से रेलवे के लिए कोच और पहिए बना रही है। इसका आवंटन मेगा इनवेस्टमेंट के तहत होगा। टीटागढ़ वैगन्स लिमिटेड वित्त निदेशक अनिल कुमार अग्रवाल और रामकृष्णा फारगिन्स लिमिटेड के एग्जक्यूटिक डायरेक्टर एंड सीएफओ ललित कुमार खेतान यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वह यीडा में रेल कोच बनाने की फैक्टरी लगाना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें 100 एकड़ जमीन की जरूरत होगी। उन्होंने बताया कि करीब 25 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। पहले चरण में 25 एकड़ जमीन में सात हजार करोड़ का निवेश करेंगे। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। सीईओ ने बताया कि सेक्टर-10 में कंपनी ने साइट को पसंद किया है।

कई राज्यों में तलाश रहे थे संभावनाएं

दोनों कंपनियां ज्वाइंट वेंचर बनाकर यहां पर औद्योगिक इकाई लगाएंगी। इससे पहले इस वेंचर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में भी औद्योगिक इकाई लगाने के लिए संभावनाएं तलाशी थीं, लेकिन अब यीडा में औद्योगिक इकाई लगाएंगे। प्राधिकरण के सीईओ का कहना है कि कंपनी को मेगा इनवेस्टमेंट के तहत जमीन दी जाएगी। इसके लिए कंपनी शासन में आवेदन करेगी।

मेट्रो कोच भी बनेंगे-यीडा के सेक्टर-32 पहले ही मेट्रो कोच बनाने के लिए 25 एकड़ जमीन आवंटित हो चुकी है। पीपी इंटरनेशनल कंपनी जमीन का करीब 44 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। कंपनी यहां हर साल 100 मेट्रो कोच बनाएगी।

तपती गर्मी से कब मिलेगी राहत, कब होगी बारिश? मौसम विभाग ने बता दी तारीख

नई दिल्ली। भारत के अधिकांश मैदानी इलाकों में लू का कहर जारी है। बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर सहति कई राज्य इसकी चपेट में आ चुके हैं। लोगों के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में पिछले 9 दिनों से, बिहार में पिछले 6 दिनों से, ओडिशा में पिछले 3 दिनों से और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पिछले 2 दिनों से लू की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, आईएमडी ने एक राहत की खबर भी दी है। देश के कुछ राज्यों में अगले तीन दिनों में बारिश की संभावना है। आईएमडी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में मौसम का

मिजाज अगले तीन दिनों में बदलने वाला है। इन राज्यों में अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि उत्तराखंड में 21 अप्रैल तक अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। पहाड़ों पर होने वाली बारिश का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल सकता है। लोगों को तपती गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में 22 अप्रैल तक अरुणाचल प्रदेश में भी बारिश की भविष्यवाणी की है। इसके अलावा असम और मेघालय में भी बादल बरसे की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात में भी बादल बरसने की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी ने यह भी कहा है कि बिहार, झारखंड और ओडिशा में 21 से 23 अप्रैल तक बारिश हो सकती है।

पांच 'हथियारों से कोरोना को हराने की तैयारी, सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना तेजी से फैल रहा है। राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल और कई अन्य राज्यों के आंकड़े टेंशन देने वाले हैं। बुधवार को राजधानी दिल्ली में ही कोविड के 1767 नए मामले सामने आए थे और 6 मरीजों की मौत हो गई। महाराष्ट्र में बुधवार को 1100 मामले मिले और चार मरीजों की मौत हो गई। इस स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। पीएमओ द्वारा जारी बयान के मुताबिक इस बैठक में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक, दवाइयां, वैक्सिनेशन कैंपेन को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा कोविड की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदमों पर बातचीत की गई। पीएमओ ने बताया, डॉ. पीके मिश्रा ने पांच स्तरीय रणनीत पर जोर देते हुए कहा कि टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-वैक्सिनेशन और सावधानी के जरिए आगे कदम बढ़ाना होगा। लोगों को एक बार फिर जरूरी नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना पड़ेगा। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के सचिव राजेश भूषण ने कोरोना को लेकर वैश्विक परिदृश्य सामने

रखा। उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं और आठ राज्यों में ज्यादातर मामले सामने आ रहे हैं। इनमें केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं। बताया गया कि 92 फीसदी मरीज होम आइसोलेशन में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के बाद देश स्तर पर तैयारियों की मॉकड्रिल की गई थी। इसके अलावा वैक्सिनेशन, दवाइयों और इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर बजट की भी समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य सचिव ने यह भी कहा कि राज्यों को कहा गया है कि वे सीधे मैन्युफैक्चरर से संपर्क करके कोविड वैक्सीन की व्यवस्था करें और इसके लिए केंद्र से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। प्राइवेट अस्पाताल भी सीधे निर्माता से ही वैक्सीन खरीद सकते हैं। डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि हॉटस्पॉट की पहचान करने और टेस्टिंग को बढ़ाने पर जोर देना होगा। इस मीटिंग में कैबिनेट सेक्रेटरी राजीव गौबा, नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद पॉल, वित्त सचिव टीवी सोमनाथन और अन्य कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आबादी में अव्वल

फिर एक रिपोर्ट ने बता दिया है कि आबादी के मामले में भारत अब चीन से आगे निकल गया है। संयुक्त राष्ट्र की 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023' आई है, जिसका शीर्षक एट बिलियन लाइव्स, इनफिनिट पॉसिबिलिटीज - द केस फॉर राइट्स ऐंड चॉइस है। बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की जनसंख्या 1 अरब, 42 करोड़, 86 लाख होने का अनुमान है, जबकि चीन की जनसंख्या 1 अरब, 42 करोड़, 57 लाख है। मतलब आबादी में भारत अब चीन से 29 लाख आगे निकल गया है। यह संकेत बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में इस बार जनगणना नहीं हुई है, पर जनसंख्या के इस अनुमान को किसी पक्ष ने ठोस चुनौती नहीं दी है। संयुक्त राष्ट्र ने 1950 से जनसंख्या के आंकड़े एकत्र करना शुरू किया था और उसके बाद भारत पहली बार दुनिया में आबादी के मामले में सबसे आगे निकल गया है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के अनुसार, चीन की आबादी पिछले साल ही अपने चरम पर पहुंचकर गिरने लगी है। वहां गिरावट का क्रम आने वाले वर्षों में जारी रहेगा। गौर करने की बात है कि अभी भारत की जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ रही है, जबकि चीन की वृद्धि दर साल 1980 से घटती चली जा रही है। हालांकि, भारत अभी युवा बहुल देश है, जबकि चीन में बूढ़ों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वहां 20 करोड़ से ज्यादा लोगों की आयु 65 वर्ष से अधिक है, भारत में अभी इस वय के महज सात प्रतिशत लोग हैं। वैसे चीन में लोगों का जीवन भारत की तुलना में लंबा है। चीन में महिलाओं की जीवन प्रत्याशा 82 है, जबकि भारत में 74 है। चीन में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 76 वर्ष है, जबकि भारत में 71 है। यह बिल्कुल संभव है कि अपने यहां जीवन-स्तर को सुधारकर चीन ने अपनी आबादी को नियंत्रित किया है। आबादी पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विकास सबसे जरूरी है और भारत को भी इस दिशा में अपने प्रयास तेज करने चाहिए। वैसे चीन में आबादी नियंत्रण का काम बहुत कड़ाई के साथ किया गया है, जबकि भारत में उदारता भी ज्यादा आबादी की एक बड़ी वजह है। चीन ने काफी पहले एक संतान की नीति को लागू कर दिया था, जबकि भारत अभी भी दो संतान की नीति को ही बढ़ा रहा है। लोकतंत्र में आबादी को कड़ाई से नियंत्रित करने में अपनी समस्याएं हैं, स्वतः स्फूर्त नियंत्रण की उम्मीद करना और जागरूकता के लिए पहल करते रहना भारत की मजबूरी है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भारत में बढ़ती युवा आबादी अर्थव्यवस्था को मजबूत रखने का काम कर रही है और आगे करीब दस साल तक करेगी। अतः तेज विकास का लाभ उठाते हुए भारत को आबादी नियंत्रण के प्रयासों को तेज करना होगा, ताकि साल 2035 से भारत की आबादी में गिरावट शुरू हो जाए। अमृत काल इस मामले में भारत के लिए परीक्षा का समय है। आजादी की सौवीं वर्षगांठ के समय तक भारत अपनी आबादी को पूरी तरह से नियंत्रित कर ले, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ज्यादा आबादी दुख की वजह नहीं है। समाज में बढ़ती असमानता और गरीबी ने मुश्किल में डाल रखा है। भारत जब सबसे ज्यादा आबादी वाला देश हो गया है, तब उसे बार-बार यह याद भी दिलाया जाएगा। मतलब, युद्ध स्तर पर आबादी को जल्द से जल्द स्थिर करने के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

कर्नाटक में रोचक हुआ सत्ता का संग्राम

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

कर्नाटक में आगामी दस मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पूर्व कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम देश की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगें। भाजपा ने सत्ता विरोधी माहौल को समाप्त करने के लिए 52 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा ने पार्टी के संस्थापकों में से एक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे लक्ष्मण सावदी का भी टिकट काट दिया है। भाजपा के बड़े नेता रहे के. अंगारा, आर शंकर और एमपी कुमार स्वामी ने भी टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस के निशान पर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। जगदीश शेट्टार 6 बार विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सहित कई बार मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। इतने लंबे राजनीतिक जीवन में उन पर कभी किसी तरह के आरोप नहीं लगे हैं। इसलिए उनकी छवि साफ मानी जाती। बीएस येदुरप्पा के बाद वह लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बीएस येदुरप्पा व ईश्वरप्पा के इस बार चुनावी मैदान में नहीं होने से पार्टी के पास बड़े चेहरे का भी अभाव है। कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह से भाजपा को हरा कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई जाए ताकि पार्टी के गिरते जनाधार को रोका जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं। उनकी सदा से ही मुख्यमंत्री बनने की चाहत रही है जो इस बार सरकार बनने पर पूरी हो सकती है। वैसे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के सामने अपने गृह प्रदेश में सरकार बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है।

कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर मैसूरू कर्नाटका इलाके में अपना मजबूत जनाधार रखती है। प्रदेश की 100 सीटों पर जनता दल सेक्युलर चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की ताकत रखती है। जनतादल सेक्युलर ने किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि चुनाव में पिछले बार की तरह किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। ऐसे में वह अपने जीते हुए विधायकों के बल पर सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक करोड़ 33 लाख 28 हजार 524 वोट यानी 36.35 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटें मिली थी। वही कांग्रेस को एक करोड़ 39 लाख 86 हजार 526 वोट यानी 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 80 सीटों पर जीत मिली थी। जनता दल सेक्युलर को 67 लाख 26 हजार 667 वोट यानी 18.30 प्रतिशत वोटों के साथ 37 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा से 6 लाख 58 हजार दो वोट यानी 1.70 प्रतिशत अधिक मत लेकर भी भाजपा से 24 सीटों से पिछड़ गई थी। इसका मुख्य कारण था जनता दल सेकुलर का कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाना। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास कर्नाटक के सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का कोई बड़ा नेता भी नहीं था। लेकिन इस बार जगदीश शेट्टार के आने से कांग्रेस को लिंगायत समुदाय के वोट बैंक में सेंध लगाने का एक बड़ा हथियार मिल गया है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। ऐसे में कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर ने मिलकर जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में सरकार का गठन कर लिया था।। मगर 14 महीने बाद ही भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल सेक्युलर के विधायकों से इस्तीफे दिलवा कर जोड़-तोड़ से अपनी सरकार बना ली थी। उस समय बीएस येदुरप्पा भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। मगर येदुरप्पा की मनमानी व उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार को लेकर लगे आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा और जुलाई 2021 में बसवराज बोम्मई को भाजपा ने नया मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि बोम्मई मुख्यमंत्री बन गए मगर सरकार पर पूरा प्रभाव पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येद्दयुरप्पा का ही रहा। 2019 में जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने के बाद से ही कर्नाटक भाजपा में लगातार उथल पुथल होती रही है। चुनाव से पहले कई बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने से भाजपा मुश्किलों में घिरी नजर आ रही है। वही भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत तक की कमीशन खोरी के आरोप लगाकर कांग्रेस उन्हें लगातार कटघरे में खड़ा करती रही है। पिछले दिनों बेंगलुरु में लोकायुक्त पुलिस ने बीजेपी विधायक मदाल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को एक ठेकेदार से 40 लाख रूपयों की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उसके बाद प्रशांत कुमार के घर से छः करोड़ रूपये भी बरामद किए गए थे। प्रशांत कुमार बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड में चीफ अकाउंटस ऑफीसर थे। उन्हें कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के आफिस से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। उनके पिता व भाजपा विधायक मदाल विरुपक्षप्पा कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के चेयरमैन थे। प्रशांत कुमार पर लोकायुक्त पुलिस ने आरोप लगाया था कि वह अपने पिता के स्थान पर रिश्वत की पहली किस्त प्राप्त कर रहे थे।

पिछले साल तुमकुर जिले के एक ठेकेदार ने तब के मंत्री ईश्वरप्पा पर रिश्वत लेने का आरोप लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके चलते ईश्वरप्पा को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि बाद में जांच कर ईश्वरप्पा को बरी कर दिया गया था। इसी के चलते इस बार ईश्वरप्पा को टिकट से वंचित रखा गया है। कर्नाटक में पौने चार साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार लगातार आरोपों से घिरी रही है। जिस कारण आम जनता में भाजपा के प्रति सत्ता विरोधी माहौल व्याप्त हो रहा है। उसी के चलते काफी विधायकों के टिकट भी काटे गए हैं। हालांकि भाजपा गुजरात की तर्ज पर अधिकांश विधायकों के टिकट काटना चाहती थी। मगर बीएस येदुरप्पा के विरोध के चलते ऐसा नहीं कर पाई।

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां भाजपा सत्ता विरोधी लहर के चलते बचाव की मुद्रा में है। वहीं कांग्रेस सहित जनता दल सेक्युलर व अन्य विपक्षी दल पूरी तरह सरकार पर हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया व प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के मध्य गुटबाजी चल रही है। मगर ऊपरी तौर पर सभी कांग्रेसी नेता एकजुट होकर चुनावी मैदान में नजर आ रहे हैं। वर्तमान माहौल में यदि कांग्रेस के सभी नेता एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

अमेरिका बना सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

चीन से भारत की दूरी/ योगेश कुमार सोनी

बीते रविवार को एक रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक समझौतों में वृद्धि की बदौलत वित्त वर्ष 2022-23 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार बन गया। वाणिज्य मंत्रालय के पिछले वित्त वर्ष में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 7.65 प्रतिशत बढ़कर 128.55 अरब डॉलर रहा है। दोनों देशों के बीच 2021-22 में 119.5 अरब डॉलर और 2020-21 में 80.51 अरब डॉलर का दोनों ओर से व्यापार हुआ था। डाटा के अनुसार 2022-23 में अमेरिका को कुल निर्यात 2.81 प्रतिशत बढ़कर 78.31 अरब डॉलर रहा है। 2021-22 में अमेरिका को 76.18 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। पिछले वित्त वर्ष में आयात 16 प्रतिशत बढ़कर 50.24 अरब डॉलर रहा है। वहीं दूसरी ओर 2022-23 में चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार 1.5 प्रतिशत घटकर 113.83 अरब डॉलर रहा है। 2021-22 में भारत और चीन के बीच 115.42 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। इस कालखंड में चीन को निर्यात 28 प्रतिशत बढ़कर 15.32 अरब डॉलर रहा है जबकि आयात 4.16 प्रतिशत बढ़कर 98.51 अरब डॉलर रहा है। चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 83.12 अरब डॉलर रहा है जो 2021-22 में 72.91 अरब डॉलर था। विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार में आने वाले वर्षों में और भी बढ़ोतरी होगी होगी। इसका कारण यह है कि दोनों देश आर्थिक समझौतों को मजबूत करने में जुटे हैं। भारतीय निर्यात संघ का कहना है कि अमेरिका को फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे उत्पादों का निर्यात बढ़ा है। इससे कुल निर्यात में वृद्धि रही है। अमेरिका को भारत से मुख्यतः पेट्रोलियम उत्पादों, आभूषण, फार्मा उत्पाद, पॉलिश हीरे, हल्के तेल वगैरह का निर्यात किया जाता है। वहीं अमेरिका से भारत पेट्रोलियम पदार्थ, तरल प्राकृतिक गैस, सोने, कोयले और बादाम का आयात करता है लेकिन बीते वर्ष फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे उत्पादों का निर्यात बढ़ा है जिससे दोनों देशों के बीच कारोबार भागीदारी बढ़ी है। वैसे तो अमेरिका चीन से कई चीजों का आयात करता है लेकिन बीते लगभग पांच वर्षों में खिलौने और मोबाइल फोन काफी बड़ी संख्या में ख़रीदे गए हैं। यदि अमेरिका इन चीजों का चीन से आयात कम कर दे या छोड़ दे तो 70 अरब डॉलर ही रह जाएगा। आर्थिक मोर्चे पर हम चीन को भी हल्के में नहीं ले सकते। दरअसल, मामला यह है कि इस समय चीन पाकिस्तान और श्रीलंका को बीते कुछ समय से लगातार कर्ज दे रहा है चूंकि वह हमेशा भारत को चारों ओर से घेरना चाहता है। दोनों देश भारत की सीमा से सटे हैं, वे छोटे भी हैं। यदि पाकिस्तान की बात करें तो पाकिस्तान पर चीन का 30 अरब डॉलर का कर्ज बकाया है। इस ही वर्ष फरवरी में एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान पर इस समय जीडीपी का 70 प्रतिशत कर्ज है। बीते वर्ष आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के ऊपर 2021 में विदेशों का कुल कर्ज 3500 करोड़ डॉलर का था जो साल 2022 में बढ़कर 5100 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया और यह और भी बढ़ गया है, जिसमें से लगभग आधा कर्जा चीन का है। आंकड़ों के मुताबिक इस समय श्रीलंका के ऊपर कुल 28 अरब डॉलर का चीन का कर्ज है। इस बात से हम यह समझ सकते हैं कि चीन ने जरूर व्यापार कम किया हो लेकिन वो गिद्ध की निगाह बनाए हुए अपने से सटे देशों को जल्द ही अपने कब्जे में करने में लगा हुआ है। भारत व्यापार में अपने बढ़ते कदमों को बेहद सुरक्षित स्थिति में रख रहा है। बीते वर्ष संकट के समय में पड़ोसी देश श्रीलंका को कर्ज देकर उसकी बेहद कठिन समय में मदद की थी। मदद चीन ने भी की थी लेकिन उसने श्रीलंका में कई बड़ी इमारतें बना ली अर्थात तुरंत कब्जा ले लिया। आज भारत एक उभरती अर्थव्यवस्था में गिना जाता है और अमेरिका जैसे विश्व शक्तिशाली देशों से व्यापार में भागीदारी हमारे लिए गर्व की बात है। दरअसल, नए तरीके संबंधों को स्थापित करते हुए आर्थिक क्षेत्र में हम मात्र तेरह वर्षों में ही आगे बढ़े हैं। वर्ष 2010 में अमेरिकी ट्रेजरी सचिव टिमोथी गेथनर ने अपनी भारत यात्रा के दौरान तत्कालीन भारतीय वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी के साथ अमेरिका-भारत आर्थिक तथा वित्तीय भागीदारी शुरू की थी। मंत्री स्तरीय बैठकों में दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों की नींव रखी गई थी। इससे पूर्व अमेरिका हमें उस स्तर का सम्मान नहीं देता था कि वह हमें किसी व्यापार के लायक समझे। एक जानकारी दे दी जाए 2010 से पूर्व यदि अमेरिका को भारत की कोई खाद्य या वस्तु चाहिए भी होती थी तो वह चीन द्वारा मंगवाता था। समय बदला, हालात बदले और आज परिस्थितियां सम्मान के साथ पक्ष में हैं। गुणवत्ता व ईमानदारी के बल पर हम अपना उज्ज्वल भविष्य तय कर सकते हैं।

विचार मंथन

समलैंगिक विवाह निजता का अधिकार

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में समलैंगिक विवाह को लेकर जो 21 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई हैं। उसकी सुनवाई कर रही है। समलैंगिक विवाह को लेकर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई को लेकर ही आपस में ठनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम खुले दिमाग से याचिकाओं में जो तथ्य दिए गए हैं, वह जानना चाहते हैं। उन्होंने सरकार की इस राय को पूरी तरह से ठुकरा दिया, कि कानून बनाना संसद का अधिकार है। समलैंगिक विवाह की याचिकाओं को सुनना, सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की आपत्ति को ठुकराते हुए, याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट की अधिकारिता को लेकर बार-बार अपनी राय व्यक्त कर रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट की अधिकारता सीमित होगी, फिर तो सुप्रीम कोर्ट या न्यायालयों का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा। जिस तरह से सरकार ताकत के बल पर विधायिका और कार्यपालिका को अपनी उंगलियों पर नचाती है। उसी तरह कोर्ट को भी नचाने लगेगी। ऐसी स्थिति में फिर न्यायालयों का कोई अर्थ भी नहीं रह जाएगा। 75 वर्ष के इतिहास में पहली बार केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट की अधिकारिता को लेकर न्यायालय के बाहर विभिन्न बयानों के माध्यम से तथा सुप्रीम कोर्ट के अंदर भी अधिकारिता को चुनौती देने का काम कर चुकी है। जो संवैधानिक व्यवस्था के अनुकूल नहीं है। संविधान ने विधायिका और कार्यपालिका के किए हुए कार्यों की समीक्षा का अधिकार स्पष्ट रूप से न्यायालयों को दिया है। न्यायालयों को संविधान ने संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों की रक्षा का दायित्व सौंपा है। विधायिका और कार्यपालिका को अधिकार दिए हैं, इन पर नियंत्रण करने का अधिकार न्यायपालिका को दिया है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ही अंतिम निर्णय माना जाता है। जहां तक समलैंगिक विवाह की बात है। यह व्यक्ति का मौलिक निजी अधिकार है। वह कैसे रहता है, किसके साथ रहना चाहता है, शादी करना चाहता है या बिना शादी के रहना चाहता है। वह बच्चे पैदा करना चाहता है, या नहीं करना चाहता है। वह अपनी संपत्ति का अधिकार किसे देना चाहता है। यह सब निजी जीवन के के मूल अधिकार हैं। समलैंगिक संबंध अनादि काल से चले आ रहे हैं। जब जब सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन आते हैं, तो उसका प्रभाव समाज में पड़ता है। लोगों की सोच बदलती है। उनकी आवश्यकताएं बदलती हैं। ऐसी स्थिति में समय-समय पर सामाजिक स्तर पर या न्यायपालिका के स्तर पर निर्णय लिए जाते हैं। समलैंगिक युगल यदि विवाह करना चाहते हैं, वह पति-पत्नी की तरह अधिकार चाहते हैं। यह उनका निजी अधिकार है। इस अधिकार का मतलब यह नहीं होगा, कि वह परिवार और समाज की अन्य व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप करें। निजता का अधिकार निजी है। जब तक कोई दूसरा व्यक्ति उससे प्रभावित ना हो, तब तक वह इसका विरोध भी नहीं कर सकता है। भारत सहित दुनिया के देशों में लोग अब समलैंगिक संबंधों के आधार पर वैधानिक तरीके से रहना चाह रहे हैं। वह अपने साथी को विवाह में वर्णित अधिकार देना चाहते हैं। बदलते हुए परिवेश में इसकी आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। इसकी स्वतंत्रता और कानूनी सरंक्षण होने देने में कोई आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। समाज और परिवार में उसका असर ना पड़े, इसके लिए भी प्रावधान किए जा सकते है। हमारे यहां कहावत भी है, मियां बीबी राजी तो क्या करेगा काजी। समलैंगिक संबंधों को यदि वैधानिक स्वरूप दे देंगे, तो वह ज्यादा जिम्मेदारी और ज्यादा खुशियों के साथ अपना जीवन जी सकेंगे। इसके लिए उन्हें अधिकार संपन्न बनाने की जरूरत है। जब उसकी अच्छाई और बुराई सामने आएगी, समाज को स्वीकार करना है, या नहीं, इसका निर्णय समाज और परिवार स्वयं लेगा। समलैंगिक विवाह की अनुमति मात्र एक कानूनी अधिकारता है। जो व्यक्ति अपना जीवन जैसे जीना चाहता है। उसे इसकी स्वतंत्रता देने में कोई आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। दोहरे चरित्र में जीने की अपेक्षा जैसे हैं, वैसे जीना ज्यादा सुखदायक है। सरकार वोट तंत्र को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता तय करती है। समलैंगिक शादियां ऐसी स्थिति में सरकार कानून बनाने की पहल कभी नहीं करेगी। यह काम तो न्यायालय को ही करना होगा। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ यह कर भी रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट पर रोक लगी है। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.55 अंक करीब 0.11 फीसदी उछलकर 59,632.35 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 59,836.79 के उच्च स्तर तक जाने के बाद 59,489.98 तक गिरा। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 5.70 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी बढ़कर 17,624.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,684.45 की उंचाई तक ऊपर जाने के बाद 17,584.35 तक फिसला।

वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में बुधवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 159.21 अंक करीब 0.27 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,567.80 अंक पर बंद हुआ था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 41.40 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,618.75 अंक पर बंद हुआ था।

कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक 1.67 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयर सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सबसे अधिक नुकसान एचयूएल के शेयरों में हुआ। ये करीब 1.22 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा आईटी कंपनी इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनैंस के शेयर सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई वायदा कारोबार के एक्सपायरी के दिन घरेलू शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार की शुरूआत हुई है। शुरुआती कारोबार में बैंकिंग, ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयरों में मजबूती रही। निफ्टी में टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिख रहे हैं जबकि डिविज लैब और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर टॉप लूजर्स के रूप में ट्रेड कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए थे।

जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक पद पर अभ्युदय की फिर से नियुक्ति

मुंबई । स्टेनलेस स्टील बनाने वाली घरेलू कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के निदेशक मंडल ने अभ्युदय जिंदल को कंपनी के प्रबंध निदेशक के रूप में फिर से नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। साथ ही वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एक रुपए प्रति शेयर के विशेष अंतरिम लाभांश को भी मंजूरी दी है। जेएसएल ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड (जेएसएचएल) की विलय प्रक्रिया के सफल समापन और विलय की गई इकाई के नये शेयरों के सूचीबद्ध होने पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दो रुपये अंकित मूल्य पर एक रुपए प्रति शेयर के विशेष अंतरिम लाभांश को भी मंजूरी दी है। इसमें कहा गया है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने विशेष अंतरिम लाभांश के भुगतान के लिए सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि 26 अप्रैल, 2023 तय की है। लाभांश का भुगतान 17 मई, 2023 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा निदेशक मंडल ने हाल ही में अपनी बैठक में एक मई, 2023 से प्रभावी पांच साल की अवधि के लिए अभ्युदय जिंदल को प्रबंध निदेशक पद पर फिर से नियुक्ति को भी मंजूरी दी है। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि जिंदल स्टेनलेस (जेएसएल) में जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड (जेएसएचएल) के विलय के बाद यह पहला लाभांश है। इसमें कुल 82.34 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा।

कच्चे तेल में गिरावट, पेट्रोल नोएडा में महंगा, गाजियाबाद में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 2 डॉलर टूटकर 82.81 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बीते 24 घंटे में बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 85 डॉलर से गिरकर 83 डॉलर के आसपास पहुंच गया है। इस बीच गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। आज कई शहरों में तेल के दाम बढ़े हैं तो कुछ में नरमी भी आई है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) जिले में आज सुबह पेट्रोल 33 पैसे महंगा होकर 96.92 रुपए लीटर हो गया है। यहां डीजल 32 पैसे चढ़कर 90.08 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे सस्ता हुआ और 96.26 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 30 पैसे गिरकर 89.75 रुपए लीटर बिक रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 14 पैसे सस्ता होकर 96.43 रुपए लीटर के भाव बिक रहा है, जबकि डीजल 12 पैसे टूटकर 90.41 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड करीब 2 डॉलर टूटकर 82.81 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी ग्लोबल मार्केट में गिरावट के साथ 78.80 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपए और डीजल 90.41 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सीईओ टिम कुक ने दिल्ली में एप्पल का दूसरा स्टोर खोला

नई दिल्ली । एप्पल के सीईओ टिम कुक ने दिल्ली के साकेत में सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल में अपना दूसरा ब्रांडेड स्टोर एप्पल स्टोर का उदघाटन किया। ये भारत में एप्पल का दूसरा स्टोर है। मुंबई में खुले पहले एप्पल रिटेल स्टोर में पहले ही दिन भारी भीड़ देखी गई थी। अब दूसरा एप्पल स्टोर दिल्ली में जनता के लिए खुल गया है । मुंबई में नासिक ढोल की थाप के बीच कम से कम 6,000-7,000 एप्पल प्रशंसक और ग्राहक थे, जब एप्पल के सीईओ टिम कुक ने मुंबई के चहल-पहल वाले बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) वित्तीय, कला और मनोरंजन जिले में स्थित एप्पल बीकेसी का उद्घाटन जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में किया था। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म सीएमआर द्वारा उपलब्ध कराए गए शुरुआती अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 में, एप्पल ने देश में 7 मिलियन से अधिक आईफोन और आधा मिलियन आईपैड भेजे, आईफोन शिपमेंट में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जैसा कि एप्पल भारत में घरेलू विनिर्माण पर दोगुना हो गया है, इस अवधि में देश में 8 मिलियन से अधिक आईफोन की बिक्री के साथ, टेक दिग्गज के वित्त वर्ष 23-34 में 6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की संभावना है।

मोदी के पीएलआई से प्रेरित होकर एप्पल ने 72 फीसदी महिलाओं को दिया काम

नयी दिल्ली।

आईफोन बनाने वाली फेमस कंपनी एप्पल ने एक लाख से अे धिक नौके रियां सृे जित की हैं। जानकारी के अनुसार एप्पल ने पिछले दो साल के दौरान एक लाख से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां जनरेट की हैं जिसमें 72 फीसदी महिला कर्मचारी हैं। ये नौकरियां मैन्युफैक्चरिंग डिपार्टमेंट में दी जा रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने अपने ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएलआई योजना से प्रेरित होकर एप्पल ने 24 महीने में 1 लाख से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल के फैक्ट्रियों में काम करने वाले 70 से 72 फीसदी तक महिलाएं हैं। वहीं एक लाख नौकरियों में से 19 से 24 साल की 70 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। इस आंकड़े के साथ ही एप्पल भारत में महिलाओं को नौकरी देने के मामले में सबसे बड़ा सिंगल ब्रांड बन गया है। इसमें से सबसे ज्यादा नौकरियां 20 महीने के दौरान दी गई हैं। वहीं ऐसे महिलाओं की संख्या ज्यादा है, जो पहली बार घर से निकलकर काम करने पहुंची हैं। 1 लाख नौकरियों में से ज्यादातर ने सिर्फ इंटर की पढ़ाई की है, जबकि कुछ ने डिप्लोमा की डिग्री ली है। वहीं ज्यादातर को ये नौकरी आईफोन एसेंबल करने पर भी मिली है। बता दें कि ये नौकरियां एप्पल की फैक्ट्रियों में जनरेट हुई हैं और पिछले कुछ समय से काफी तेजी से कारोबार में बढ़त के कारण रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

गौरतलब है कि टिम कुक ने भारत में एप्पल के पहले अधिकारिक स्टोर की ग्रैंड ओपनिंग की। यहां काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या 100 है। यह 20 हजार स्क्वायर फीट में फैला हुआ है।

इसका मंथली किराया 42 लाख रुपये हैं। टिम कुक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करने वाले हैं,जबकि 20 अप्रैल को नई दिल्ली के साकेत में एप्पल स्टोर की ओपनिंग की जाएगी। एप्पल ने फाइनेंसियल ईयर 2023 में निर्माण में तेजी लाई है और एक साल के दौरान भारत से आईफोन का निर्यात 5 बिलियन डॉलर पहुंच चुका है।

वहीं भारत का कुल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट 10 अरब डॉलर पहुंच चुका है। एप्पल ने 2017 में भारत में आईफोन का निर्माण शुरू किया था।

ओयो 2023 में अयोध्या में 50 नई संपत्तियां जोड़ेगी

नई दिल्ली ।

आतिथ्य क्षेत्र की प्रौद्योगिकी कंपनी ओयो ने कहा कि अयोध्या विकास प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के सहयोग से वह 2023 में अयोध्या में 50 नई संपत्तियां जोड़ेगी। कंपनी ने बताया कि इन 50 नई संपत्तियों में से 25 होमस्टे होंगी जिनका संचालन आवास स्वामी करेंगे जबकि 25 छोटे और मध्यम आकार वाले होटल होंगे जिनमें दस से 20 कमरे होंगे। मौजूदा समय में अयोध्या में ओयो की पांच संपत्तियां हैं। कंपनी ने बताया कि अयोध्या में अपनी विस्तार योजना के लिए वह अयोध्या विकास प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के साथ मिलकर काम कर रही है। ओयो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सरकार की महत्वपूर्ण जरूरतों और चिंताओं को समझने के लिए कई दौर की बैठक की गई और उसके बाद कंपनी ने नई विस्तार योजना बनाई है। उहोंने बताया कि हमने होमस्टे को अपने साथ जोड़ना शुरू कर दिया है। भारत के प्रमुख धार्मिक क्षेत्रों में ओयो के विस्तार की हमारी योजना में अयोध्या शीर्ष पर है। कंपनी ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से अयोध्या में आने वाले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2022 में यहां 2.20 करोड़ से अधिक पर्यटक आए थे। 2019 में यह संख्या दो करोड़ और 2017 में लगभग 1.5 करोड़ थी।

प्लास्टिक स्वाभाविक रूप से पूरी तरह नष्ट होने वाली चीज नहीं: बीआईएस

नई दिल्ली । भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने प्लास्टिक के पूरी तरह नष्ट हो जाने वाले दावों को भ्रामक विज्ञापन बताते हुए पर्यावरण मंत्रालय से किसी भी प्लास्टिक विनिर्माता को इस तरह का प्रमाणपत्र न देने का सुझाव दिया है। बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि प्लास्टिक स्वाभाविक रूप से पूरी तरह नष्ट होने वाली चीज नहीं है और अगर कोई विनिर्माता इस तरह का दावा करता है तो उसे भ्रामक विज्ञापन के समान माना जाएगा। तिवारी ने कहा कि प्लास्टिक के पूरी तरह नष्ट हो जाने का तथ्य अभी स्थापित नहीं हुआ है और इस बारे में शोध भारत समेत कई देशों में अब भी जारी हैं। ऐसी स्थिति में पर्यावरण मंत्रालय को प्लास्टिक के शत-प्रतिशत नष्ट हो जाने संबंधी कोई भी प्रमाणपत्र जारी नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों के साथ हाल ही में हुई एक बैठक में प्लास्टिक के नाशवान उत्पाद होने के बारे में बीआईएस की राय से अवगत कराया गया। बीआईएस महानिदेशक ने कहा कि कुछ प्लास्टिक विनिर्माता यह दावा कर रहे हैं कि उनके प्लास्टिक उत्पाद जैविक रूप से नष्ट होने वाले हैं। हमने मंत्रालय को कहा कि वह इस तरह का कोई भी प्रमाणपत्र न दे क्योंकि इस बारे में अभी शोध जारी है।

लॉस एंजिल्स में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया के मैकेनिकल इंजीनियरों ने आरटिमिस रोबोट को विकसित किया।

खाने के तेलों में गिरावट का रुख रहा

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच आई गिरावट

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच स्थानीय दिल्ली बाजार में खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में मामूली गिरावट रही। हालांकि सामान्य कारोबार के बीच मूंगफली तेल तिलहन और सोयाबीन डीगम तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि दिल्ली के एक तेल संगठन का दावा है कि उत्पादन अधिक होने के कारण सरसों के दाम पिछले साल के मुकाबले घटे हैं और दिल्ली की मंडी में सरसों तेल, सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल जैसे अन्य खाद्य तेलों के भाव 135-140 रुपए लीटर के बीच ही हैं। इस तेल संगठन के सामने एक सवाल यह उठता है कि जब बंदरगाह पर सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के दाम लगभग 96 रुपए लीटर पड़ता है तो फिर ये दिल्ली में खुदरा में 135-140 रुपए क्यों बिक रहा है?

सरसों का थोक दाम वास्तव में दिल्ली में अधिभार सहित 100 रुपये लीटर बैठता है। इसमें सारे खर्च और मुनाफा जोड़ने के बाद खुदरा व्यापारियों को यह तेल लगभग 112 रुपये लीटर के भाव मिलता है और इसमें 4-5 प्रतिशत का मार्जिन जोड़ा जाये तो सरसों तेल का खुदरा दाम लगभग 115-120 रुपए लीटर बैठता है। तो सरसों के दाम 135-140 रुपए लीटर बताना ठीक नहीं है।

तेल-तिलहनों के भाव बुधवार को इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,115-5,210 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,840-6,900 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,750 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,550-2,815 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 10,050 रुपए प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी 1,605-1,675 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी 1,605-1,725 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,870 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,600 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 9,220 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला-8,800 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,550 रुपए प्रति क्विंटल।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में रिकार्ड तोड़ तेजी

- घरेलू विमान यात्रियों की संख्या जनवरी-मार्च 2023 के दौरान 3.75 करोड़ पहुंच गई

नई दिल्ली ।

देश में घरेलू हवाई उड़ानों के यो त्रियों की संख्या में जोरदार तेजी आई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की मार्च 2023 की ट्रैफिक रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू विमान सेवाओं के यात्रियों की संख्या जनवरी-मार्च 2023 के दौरान 3.75 करोड़ पहुंच गई, जो कि पिछले साल जनवरी-मार्च 2022 की अवधि के दौरान 2.47 करोड़ थी। इस तरह इसमें 51.70 फीसदी की वार्षिक वृद्धि और 21.41 फीसदी की मासिक वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान यात्रियों की शिकायतें काफी कम रहीं और शिकायतों के समाधान में वृद्धि हुई है। मार्च 2023 में कुल 347 शिकायतें दर्ज की गईं। मार्च 2019 में 1684 शिकायतें आई थीं। साल 2019 की तुलना में शिकायतों की संख्या इस बार कम हुई हैं। मार्च 2019 के 93.5 फीसदी की तुलना में मार्च 2023 में शिकायतों का समाधान बढ़कर लगभग 99 फीसदी हो गया। साल 2019 में यात्रियों की शिकायतों की प्रमुख वजह में उड़ान समस्या 60.0 फीसदी, सामान को लेकर 16.3 फीसदी, रिफंड को लेकर 11.8 फीसदी रही थी, जबकि मार्च 2023 की प्रमुख शिकायतों में उड़ान समस्या 38.6 फीसदी, सामान को लेकर शिकायतें 22.2 फीसदी, रिफंड को लेकर 11.5 फीसदी और अन्य 11.5 फीसदी शामिल रही. बेंगलुरु एयरपोर्ट से आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि आई। यहां पर आने वाले यात्रियों की संख्या में वित्त वर्ष 2022-23 में 96 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है और यह आंकड़ा 1.62 करोड़ से बढ़कर 3.19 करोड़ पर पहुंच गया है।

पैसेंजर लोड फैक्टर में मार्च 2019 की तुलना मार्च 2023 रिपोर्ट में कहा गया है कि विस्तारा, एयर इंडिया, एयर एशिया और स्टार एयर ने मार्च 2019 की तुलना में मार्च 2023 में पीएलएफ में वृद्धि दिखाई है, जबकि इंडिगो, स्पाइसजेट और गो एयर में कमी देखी गई है. वहीं, घरेलू एयरलाइंस की बाजार हिस्सेदारी रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडिगो, विस्तारा और एयर एशिया ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में मार्च 2023 की तुलना में मार्च 2019 के दौरान वृद्धि दिखाई, जबकि एयर इंडिया, स्पाइसजेट, गोएयर ने कमी दिखाई।

ग्रेटर नोएडा में जल्द बनाए जाएंगे वंदे भारत के कोच

नई दिल्ली ।

वंदे भारत के कोच यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 10 में बनने की तैयारी चल रही है। पश्चिम बंगाल में वंदे भारत ट्रेन के कोच और पहिए बनाने वाली कंपनी टीटागढ़ वैगंस लिमिटेड और रामकृष्णा फॉरगिंग्स लिमिटेड कंपनी के अधिकारियों ने यमुना अथॉरिटी के अधिकारियों से मुलाकात कर 100 एकड़ जगह मांगी है। टीटागढ़ वैगंस लिमिटेड के वित्त निदेशक अनिल कुमार अग्रवाल और रामा कृष्णा फॉरगिंग्स लिमिटेड के चीफ फाइनेंस अधिकारी ललित कुमार खेतान ने यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह से मुलाकात की है। अधिकारियों के मुताबिक उनकी कंपनियां पश्चिम बंगाल में हर साल 800 रेल कोच बना रही हैं, इसके अलावा रेल पहिए भी बनाए जा रहे हैं। अब यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में रेल कोच बनाने की फैक्ट्री लगाना चाहते हैं इसके लिए उन्हें 100 एकड़ जमीन की आवश्यकता पड़ेगी। कंपनी पहले चरण में 7000 करोड़ रुपए और कुल 25000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। यमुना प्राधिकरण के सीईओ ने कहा है कि सेक्टर 10 में जमीन उपलब्ध है। कंपनी के अधिकारियों को मौका मुआयना कराया गया। उन्हें जमीन पसंद भी आ गई है। दोनों कंपनियां यहां ज्वाइंट वेंचर बनाकर औद्योगिक इकाई लगाएंगे। इससे पहले वह पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में भी औद्योगिक इकाई लगाने के लिए जमीन देख चुके हैं।

आईपीएल में आज घरेलू मैदान पर सनराइजर्स के खिलाफ जीत के लिए उतरेगी सीएसके

-स्टोक्स की होगी वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई(ईएमएस)। आईपीएल में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में सीएसके अपने घरेलू मैदान पर जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सीएसके ने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को हराया था। इससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी से भी सीएसके की बल्लेबाजी और गेंदबाजी की धार बढ़ेगी। स्टोक्स चोटिल होने के कारण अब तक इस लीग से बाहर थे। स्टोक्स ने गत दिवस अभ्यास सत्र में भी भाग लिया था।

सीएसके के पास डेवोन कॉनवे और रुतुराज गायकवाड़ जैसी शानदार सलामी जोड़ी है। इसके अलावा उसके पास शिवम दुबे जैसा आक्रामक बल्लेबाज भी है। इन बल्लेबाजों के कारण ही उसके पिछले मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत मिली थी। वहीं अनुभवी अजिंक्य रहाणे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, इससे भी चेन्नई को बल्लेबाजी बेहतर हुई है। चेन्नई की परेशानी गेंदबाजी को लेकर है। पिछले मैच में गेंदबाज प्रभावी नजर नहीं आये थे। इसके अलावा टीम का क्षेत्ररक्षण भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है।

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने ही आरसीबी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था पर अन्य गेंदबाज विफल रहे। युवा तुषार देशपांडे के प्रदर्शन में सुधार आया है पर अगर टीम को सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना है तो उसके तीनों स्पिनरों महेश तीक्षणा, रविंद्र जडेजा और मोइन अली को और अच्छा प्रदर्शन करना होगा। आंकड़ों को देखें तो सीएसके ने सनराइजर्स के खिलाफ पिछले पांच में से चार मैचों में जीत हासिल की है और ऐसे में वह इस बार भी जीत चाहेगी। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स को पिछले मैच में मुंबई इंडियंस ने हराया था, ऐसे में उसका मनोबल गिरा हुआ है।

इसके बाद भी सनराइजर्स को अपने बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके लिए कप्तान एडेन मार्करम को आगे

आकर जिम्मेदारी लेनी होगी। उसके सभी बल्लेबाजों को सीएसके के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सनराइजर्स को पिछले मैच में पावर प्ले में विकेट गिरने से हार का सामना करना पड़ा था। तब टीम के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने कहा था कि मध्यक्रम के किसी बल्लेबाज को अंत तक टिके रहना होगा। सनराइजर्स की बल्लेबाज मार्करम के अलावा आक्रामक बल्लेबाज हैरी ब्रूक , वह वाशिंगटन सुंदर पर भी निर्भर रहेगी। अगर वह लय में खेलते है तो फिर सीएसके के गेंदबाजों को उन्हें रोकना कठिन होगा। इस लीग में अबतक सनराइजर्स के गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के कारण भी टीम को नुकसान हुआ है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स- महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडू, मोइन अली, बेन स्टोक्स, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, शिवम दुबे, ड्वेन प्रीटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिचेल सेंटनर, सुभांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथीसा पथिराना, महेश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे।

सनराइजर्स हैदराबाद- एडेन मार्करम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन , आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसीन, अनमोलप्रीत सिंह।

विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत को शिव और दीपक से स्वर्ण की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज शिव थापा और दीपक भोरिया 30 अप्रैल से 14 मई तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। शिवा ने दोहा में 2015 में विश्व चैम्पियनशिप का कांस्य पदक जीता था। अब उनका लक्ष्य इस बार अपने पदक का रंग बदलना रहेगा। वह 63.5 किग्रा वजन वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं दीपक 51 किग्रा फ्लाईवेट वजन वर्ग में उतरेंगे। दीपक ने 2021 में स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में 2016 रियो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और 2019 विश्व चैम्पियन उज्बेकिस्तान के शाखोबिदिन जोइरोव को हराकर सभी का ध्यान खींचा था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''पुरुष टीम काफी कड़ी मेहनत कर रही है और मैं उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें देता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हर मुक्केबाज बेहतर प्रदर्शन करेगा।''

भारतीय टीम 17 अप्रैल को ताशकंद के लिए रवाना हो गयी थी और विश्व चैम्पियनशिप से पहले कई देशों के अभ्यास शिविर में भी भाग लेगी। भारतीय टीम में अनुभवी एशियाई चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन भी शामिल हैं जो 57 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेंगे। तोक्यो ओलंपियन और 2019 एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष चौधरी दूसरी बार इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वहीं स्ट्रेंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत विजेता गोविंद साहनी 48 किग्रा में उतरेंगे। इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता को दो लाख डॉलर, रजत पदक जीतने वाले को एक लाख डॉलर और दोनों कांस्य पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर पुरस्कार राशि मिलेगी।

गावस्कर ने अर्जुन की प्रशंसा करते हुए कहा उसे विरासत में मिला है सचिन जैसा स्वभाव

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें अपने पिता जैसा स्वभाव विरासत में ही मिला है।

गावस्कर ने कहा, हर कोई उस शानदार प्रतिभा के बारे में बात करता है जो सचिन के करियर की शुरुआत में देखी गयी थी पर मुझे लगता है कि यह उनका स्वभाव था जो बिल्कुल ही अद्भुत था और यही स्वभाव अर्जुन को स्वभाव विरासत में मिला है।

गावस्कर ने अर्जुन के एक अच्छे विचारक होने की भी सराहना की। उन्होंने कहा, यह हमेशा एक अच्छा संकेत होता है जब एक युवा खिलाड़ी टीम की ओर से अंतिम ओवर फेंकता है और डिलीवरी करता है। अर्जुन ने अंतिम ओवर फेंका और सनराइजर्स हैदराबाद को 20 रन बनाने नहीं दिए। इसके साथ ही उसने दूसरे ही मैच में भुवनेश्वर कुमार के रूप में अपना पहला आईपीएल विकेट भी लिया।

अर्जुन एक होनहार युवा होने के साथ ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज भी हैं।

गावस्कर ने इसी के साथ ही अहमदाबाद में अपनी मैच विजेता पारी के लिए शिमरोन हेटमायर की सराहना करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज के बल्लेबाज को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। उन्होंने कहा, शिमरोन हेटमायर को राजस्थान रॉयल्स द्वारा एक फिनिशर के रूप में उपयोग किया गया है पर मेना मानना है कि उसे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजना चाहिए। इससे वह और अधिक स्कोर बना सकेंगे।

इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के क्रिकेटर रहे बैलेंस ने खेल को अलविदा कहा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज गैरी बैलेंस ने क्रिकेट के सभी रूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। बैलेंस ने इंग्लैंड और जिम्बाब्वे की ओर से शतक लगाकर रिकार्ड बनाया था। बैलेंस ने इंग्लैंड के लिए 16 एकदिवसीय और 23 टेस्ट मैच खेले। इसके बाद वह अपने जन्मभूमि जिम्बाब्वे लौट गये। जिम्बाब्वे की ओर से बैलेंस ने एक टेस्ट, एक टी20आई और पांच एकदिवसीय मैच खेले। करियर की बात करें तो उन्होंने दोनो देशों को मिलाकर कुल 5 टेस्ट शतक लगाए। उनका हाल में एक शतक अपने देश जिम्बाब्वे की ओर से लगाया था। यही उनका जिम्बाब्वे की ओर से एकमात्र टेस्ट था। उन्होंने अपनी पारी में नाबाद

137 रन बनाये थे।

बैलेंस ने कहा, काफी विचार के बाद मैंने तत्काल प्रभाव से पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहने का फैसला किया है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे की ओर से शीर्ष स्तर पर खेलना जारी रखने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद थी कि जिम्बाब्वे जाने से मुझे खेल के लिए एक नई खुशी मिलेगी और मैं हमेशा जिम्बाब्वे क्रिकेट का आभारी रहूंगा कि उसने मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मौका दिया और अपनी टीम में मेरा स्वागत किया।उन्होंने आगे कहा, हालांकि, मैं उस स्तर पर पहुंच गया हूं जहां मुझे अब पेशेवर खेल के लिए अपने को समर्पित करने की इच्छा नहीं है। इसलिए मुझे आगे बढ़ना चाहिए। मैं उन्हें आगे बढ़ने की हर सफलता की कामना करता हूं।

बैलेंस ने साल 2014 में अपनी शुरुआत करने के बाद इंग्लैंड के लिए 23 टेस्ट खेले और उनके लिए 1498 रन बनाए, जिसमें चार शतक और सात अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने 2014 और 2015 सीज़न में यॉर्कशायर के साथ काउंटी चैंपियनशिप भी जीती थी। यॉर्कशायर में ही वह नस्लावाद के आरोपों को लेकर विवादों में भी रहे।

पहली बार भारत में खेला जाएगा अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन

चेन्नई । भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन (डब्यूएसएल) का आयोजन इसी साल अगस्त में होगा। अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन मामल्लापुरम में 14 से 20 अगस्त तक खेला जाएगा। इसमें एशिया और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा करते हुए तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि यह खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार का एक और कदम है और इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भारतीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता और प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। उदयनिधि ने कहा, ''सर्फिंग ओलंपिक खेल है इसलिए यह प्राथमिकता बन गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हमारे खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और हमारे देश को गौरवांवित करने का शानदार मंच देगा।''

कठिन हालातों में गेंदबाजी के लिए हमेशा तैयार हूं : आवेश

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अंतिम ओवर फेंकने वाले आवेश खान ने कहा कि मैं अपनी टीम के लिए मुश्किल हालातों में गेंदबाजी के लिए हमेशा ही उपलब्ध हूं। लखनऊ सुपर जायंट्स के आवेश ने इस मैच में अंतिम ओवर में राजस्थान के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा लिया जिससे टीम 18 रनों का बचाव नहीं कर पायी। वहीं आवेश ने अंतिम ओवर में दो विकेट लिए। आवेश ने कहा, अगर हम पहले गेंदबाजी कर रहे हैं, तो मुझे पहला या दूसरा ओवर मिलता है और अगर हम बचाव कर रहे हैं तो मैं खेल की स्थिति के आधार पर चौथे या छठे ओवर जैसे अहम ओवर फेंकता हूं। मैंने अपने कप्तान और कोचों से भी कहा है कि आप मुझे कहीं भी गेंदबाजी करवा सकते हैं और मैं अपनी टीम के लिए कठिन ओवर फेंकने के लिए हमेशा से ही तैयार हूं। इसलिए मैं हमेशा यह सोचने की कोशिश नहीं करता कि मुझे कब गेंदबाजी करने का अवसर मिलेगा पर जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं हमेशा टीम के लिए विकेट हासिल करने के लिए गेंदबाजी करता हूं। वहीं आईपीएल विशेषज्ञ आरपी सिंह का मानना है कि लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल पहले की तरह नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल कभी भी इस तरह नहीं खेलते थे, उनका हमेशा एक अच्छा स्ट्राइक रेट होता था, वे विपक्षी टीम पर आक्रमण करते थे और अच्छे शॉट खेलते थे पर यहां उन्हें दबाव में खेलते हुए देखा गया। सिंह ने कहा, उन्होंने अपने कई शॉट मारना बंद कर दिया है। वह ज्यादा स्ट्राइक रोटेट करने की सोच रहा है, हो सकता है कि उसने अपनी भूमिका भी बदल ली हो, लेकिन वह उस तरह का खिलाड़ी नहीं है।

पाक के उभरते क्रिकेटर सईम माने जा रहे भविष्य के बाबर आजम

लाहौर(एजेंसी)। पाकिस्तान के उभरते हुए बल्लेबाज सईम अयूब को आने वाले समय का बाबर आजम माना जा रहा है। 20 साल के सईम ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना डेब्यू किया था। इस दौरे पर उनकी तरह कई युवाओं ने पाक की ओर से खिलाफ खेलना शुरु किया था। इस सीरीज में बाएं हाथ के बैटर सईम ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। सईम ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 में पारी की शुरुआत करते हुए 49 रन की पारी खेली थी। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पहले टी20 में सईम ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंद में 47 रन बनाये थे। सईम मैदान के हर कोने में शॉट्स खेलते हुए शीर्ष क्रम में तेजी से रन बनाते हैं। सईम ने इसी साल पाकिस्तान सुपर लीग में डेब्यू करते हुए पेशावर जाल्मी की ओर से सत्र के 12 मैच में 165 की स्ट्राइक रेट से 341 रन बनाये। इसमें 36 चौके और 17 छक्के भी शामिल है।

सईम के लिए क्रिकेटर बनने का सफर आसान नहीं रहा। उनके पिता ने शौकिया तौर पर क्रिकेट एकेडमी में दाखिला कराया था पर धीरे-धीरे सईम अयूब का शौक बढ़ता गया। उन्होंने पहले क्लब स्तर और फिर ऐज ग्रुप क्रिकेट खेलना शुरू किया। हाल ही में सईम ने अपने इस सफर के बारे में बताया था। वहीं उनके पिता चाहते थे कि वह खेल छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान दें। सईम ने कहा था, पापा और बाकी घरवालों को ऐज ग्रुप क्रिकेट के बारे में बहुत पता नहीं था। उन्होंने मेरे शौक को देखते हुए एकेडमी में दाखिला करा दिया था। मैंने अंडर-16, अंडर-19 टूर्नामेंट खेले. आज से 4-5 साल पहले अंडर-16, अंडर-19 टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट में 50 हजार रुपये तक इनाम में मिलते थे।

कूल्हे की चोट के कारण मैड्रिड ओपन में नहीं खेलेंगे राफेल नडाल

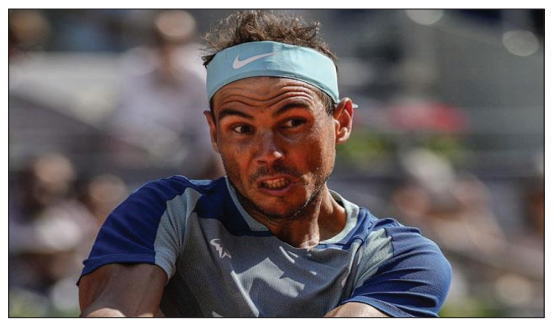

मैड्रिड । दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल अभी कूल्हे की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और इस कारण वह अगले सप्ताह मैड्रिड ओपन में भाग नहीं ले पाएंगे। बाईस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्होंने जनवरी के बाद कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। चोट के कारण वह इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो और बार्सिलोना टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। मैड्रिड ओपन सोमवार से शुरू होगा जिसमें नडाल पांच बार के चैंपियन हैं। नडाल ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्पेनिश में लिखा, 'इसके (चोट) कारण मुझे छह से आठ सप्ताह तक बाहर रहना था लेकिन मैं पिछले 14 हफ्ते से बाहर हूं।' उन्होंने कहा, 'हमने चिकित्सकों की राय पर अमल किया लेकिन उन्होंने जैसे कहा था उस तरह से मैं चोट से नहीं उबर पाया और अब हम स्वयं को मुश्किल परिस्थितियों में पा रहे हैं।' छत्तीस वर्षीय नडाल ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि वह 28 मई से होने वाले फ्रेंच ओपन में खेल पाएंगे या नहीं।

इंग्लैंड में वार्नर का बल्ला रहा है खामोश, भारतीय टीम को मिलेगा लाभ

सिडनी (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर को भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम में जगह मिली है। इसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। इसका कारण ये है कि वार्नर आईपीएल से पहले भारतीय टीम के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में नाकाम रहे थे। इसके अलावा यह भी देखा गया है कि इंग्लैंड में आमतौर पर वार्नर रन नहीं बना पाते हैं। इससे भारतीय टीम के गेंदबाजों के लिए उन्हें आउट करना आसान रहेगा। टेस्ट क्रिकेट में करियर औसत 45 का है लेकिन बात जब इंग्लैंड में खेलने की होती है तो यह गिरकर महज 26 का रह जाता है। इंग्लैंड में 13 मैचों की 25 पारियों में वार्नर 651 रन ही बना पाए हैं। उनके नाम इंग्लैंड में एक भी शतक नहीं है। खराब फार्म के कारण ही उन्हें एशेज सीरीज और इंग्लैंड में होने वाले आगामी डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले उन्हें रिटायरमेंट की सलाह दी जा रही थी पर इसके बाद भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया सीए ने उन्हें अवसर दिया है।

विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम पिछली बार डब्ल्यूटीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खिताब जीतने में असफल रही थी। अब उसका रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम का लक्ष्य कंगारुओं पर जीत हासिल कर खिताब अपने नाम करना रहेगा। बॉर्डर गावस्?कर ट्रॉफी के दौरान भारतीय टीम इंडिया ने अपनी ही धरती पर ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था। इस दौरान भी वार्नर का बल्ला भी

खामोश ही रहा था। भारत को इसका सीधे तौर पर फायदा मिला था। ऐसे में वार्नर का ऑस्ट्रेलिया की टीम में होना भारत के लिए अच्छी खबर है।

चैंपियंस लीग : मैनचेस्टर सिटी और रियाल मैड्रिड सेमीफाइनल में होंगे आमने-सामने

म्यूनिख। एर्लिंग हालैंड ने फिर से मैनचेस्टर सिटी की तरफ से गोल दागा जिससे उनकी टीम ने चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना रियाल मैड्रिड की मजबूत टीम से होगा। मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्यूनिख के खिलाफ क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण 1-1 से ड्रा खेला लेकिन पहले चरण में 3-0 की दमदार जीत के कारण वह 4-1 के कुल योग से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहा। पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद हालैंड ने 57वें मिनट में मैनचेस्टर सिटी को बढ़त दिलाई। यह इस सत्र में सिटी की तरफ से उनका 48वां गोल था। बायर्न की तरफ से जोशुआ किमिच ने 83वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला लेकिन यह टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं था। मैनचेस्टर सिटी पहली बार चैंपियंस लीग जीतने की कोशिश करेगा लेकिन इसके लिए उसे मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। रियाल मैड्रिड ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चेल्सी को 4-0 के कुल योग से पराजित किया। सेमीफाइनल का पहला चरण मई में खेला जाएगा। पिछले साल रियाल मैड्रिड ने सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी को 6-5 से हराया था।

मैच से सबक लेकर आगे बढ़ना होगा: सैमसन

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने आईपीएल में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ मिली 10 रनों की हार पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि उनकी टीम को यह लक्ष्य हासिल कर लेना चाहिये था। सैमसन के अनुसार जिस प्रकार की उनकी टीम की बल्लेबाजी है उसको देखते हुए उसे यह लक्ष्य हासिल करना चाहिए था। इस मैच में 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स की टीम सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के बीच हुई 87 रन की साझेदारी के बाद भी मध्यक्रम के विफल होने के कारण लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी।

सैमसन ने कहा, ''इस मैच के परिणाम से हमें निराश हो रही है पर इससे हमें सबक लेते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है। हमारे पास जिस प्रकार का अच्छा बल्लेबाजी क्रम अभी है उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल होना चाहिए था। विरोधी टीम ने हालांकि अच्छी गेंदबाजी करते हुए हालातों का अच्छा इस्तेमाल किया पर मेरा अब भी मानना है कि यह लक्ष्य हम हासिल कर सकते थे।'' पिच को लेकर सैमसन ने कहा, ''मैं इस तरह की कम उछाल वाली पिच की उम्मीद कर रहा था और मुझे लगता है कि हमें ऐसा ही कुछ मिला। अब आगे के मैचों में हमें समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की जरूरत है और हम लगभग 9 से 10 ओवर तक काफी अच्छी स्थिति में थे पर इसके बाद बीच के ओवरों में टीम रन नहीं बना पायी और उसने विकेट खो दिये। जीत के लिए बीच के ओवरों में हमें एक अच्छे ओवर की जरुरत थी जो नहीं मिला। इसके अलावा विरोध टीम के गेंदबाजों को जीत का श्रेय दिया जाना चाहिये।

सुपरजाइंट्स की ओर से आवेश खान ने 25 रन पर तीन जबकि मार्कस स्टोइनिस ने 28 रन पर दो विकेट लिए। नवीन उल हक ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 19 रन दिए पर उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

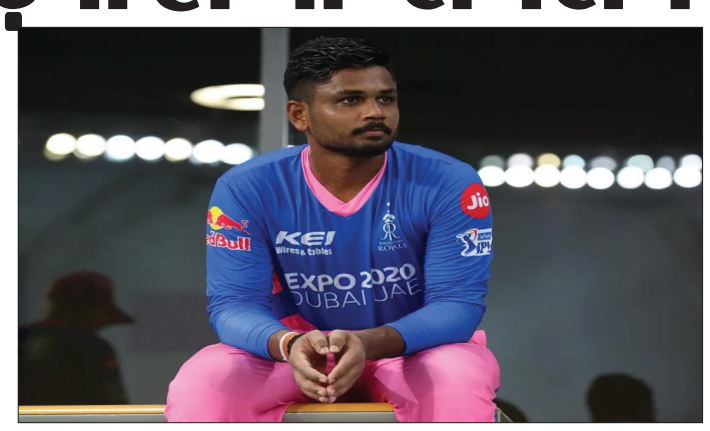

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

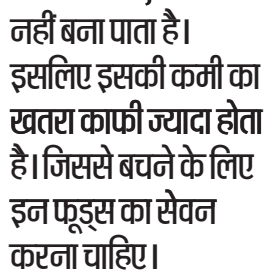

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

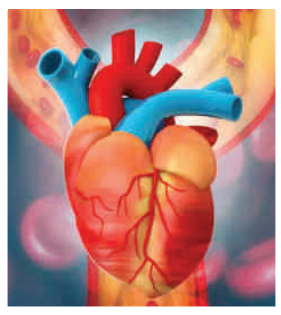

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

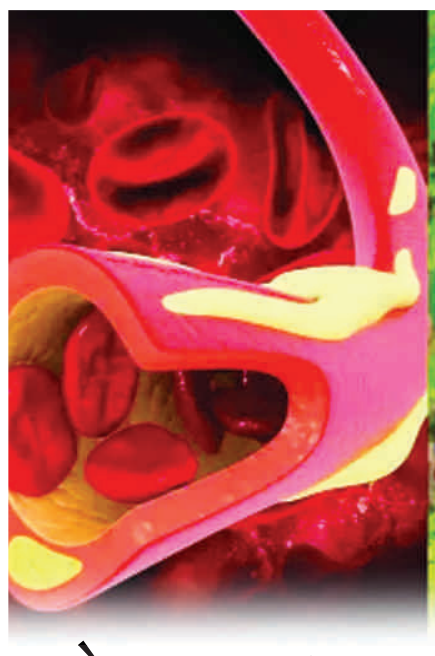

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फरूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

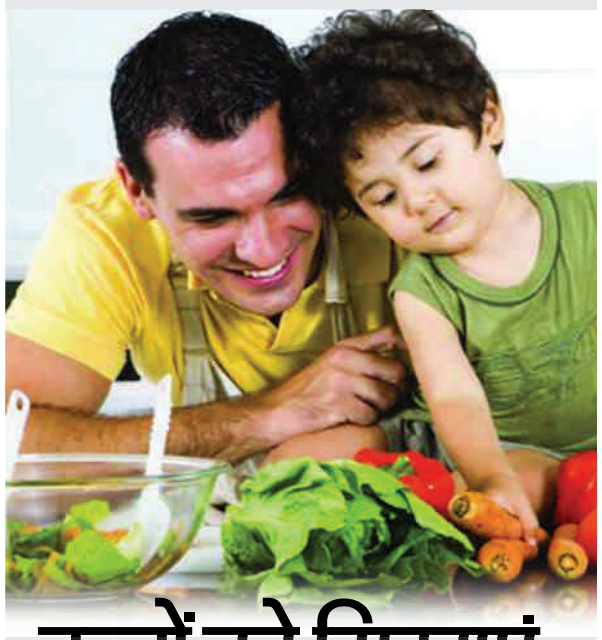

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

पाकिस्तान में हेपरिन इंजेक्शन का अकाल, 600 रुपये का इंजेक्शन ब्लैक में 3000 हजार में मिल रहा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इन दिनों अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। पाकिस्तान में खाने को लाले पड़े हैं और दाने-दाने को मोहताज मुल्क में आटे के लिए भी लोग आपस में लड़ते नजर आ रहे हैं। अब पाकिस्तान के सामने एक और नई मुसीबत आ खड़ी हो गई है। पाकिस्तान में दिल के मरीजों की जान पर बन आई है। मरीजों के लिए जरूरी हेपरिन इंजेक्शन दुर्लभ हो गया है। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान में हृदय रोगियों को अपने इलाज में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि हृदय रोगों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण हेपरिन इंजेक्शन नहीं मिल रहा है। बता दें कि हृदय रोगियों में रक्त को पतला करने के लिए इंजेक्शन का उपयोग होता है। लेकिन सरकारी और निजी अस्पतालों में इस इंजेक्शन की भारी कमी है। सूत्रों के मुताबिक इस इंजेक्शन की कीमत 600 रुपये है, लेकिन इंजेक्शन को ब्लैक मार्केट में 3000 रुपये में बेचा जा रहा है। इससे गरीब मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। अस्पतालों का मानना है कि यह एक झूठी कमी है। मीडिया ने हाल ही में बताया कि पाकिस्तान में चल रहे आर्थिक संकट ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बुरी तरह प्रभावित किया है जहां मरीज आवश्यक दवाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। देश में विदेशी मुद्रा भंडार की कमी ने आवश्यक दवाओं या घरेलू उत्पादन में उपयोग की जाने वाली सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) को आयात करने की पाकिस्तान की क्षमता को प्रभावित किया है। नतीजतन, स्थानीय दवा निर्माताओं को अपने उत्पादन को कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि अस्पतालों में मरीजों को परेशानी होती है। दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कमी के कारण डॉक्टर सर्जरी नहीं करने को मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ऑपरेशन थिएटरों में दिल, कैंसर और किडनी सहित संवेदनशील सर्जरी के लिए आवश्यक एनेस्थेटिक्स के दो सप्ताह के स्टॉक से भी कम बचा है।

राष्ट्रपति कानेल के पांच साल के नए कार्यकाल को मंजूरी

हवाना । क्यूबा की नेशनल असेंबली ने राष्ट्रपति मिगेल डियास-कानेल के पांच साल के नए कार्यकाल को मंजूरी दे दी। द्वीपीय देश के गहरे आर्थिक संकट में घिरे होने के दौरान यह फैसला किया गया। नेशनल असेंबली के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने बुधवार तड़के पद ग्रहण किया और फिर सरकार के नेतृत्व तथा राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए सदन की बैठक बुलाई। ये प्रतिनिधि देश में मार्च में हुए चुनाव में चुने गए थे। सदन के कुल 462 सदस्यों में से 459 ने डियास-कानेल के कार्यकाल को और पांच साल के लिए बढ़ाने के पक्ष में वोट किया। उपराष्ट्रपति सल्वाडोर वाल्डेस मेसा को भी दोबारा उनके पद के लिए चुना गया। उन्हें 439 सदस्यों का समर्थन मिला। राष्ट्रपति डियास-कानेल (63) ने कहा कि खाद्य उत्पादन और निर्यात में वृद्धि पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की ''आर्थिक मंच पर लड़ी जा रही लड़ाई'' में मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना प्राथमिकता है। राष्ट्रपति डियास-कानेल के कार्यकाल की पुष्टि का फैसला उस समय में लिया गया है, जब क्यूबा की अर्थव्यवस्था हाल के वर्षों में चरमरा गई है।

फ्रांस में जारी हैं आगजनी और विद्रोह, मैक्रों गाना गाते दिख रहे

पेरिस । फ्रांस इन दिनों इतिहास के विद्रोह की सबसे बड़ी आग में धधक रहा है। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद यह विद्रोह और धधक उठा है। फ्रांस में पिछले 3 महीने से पेंशन बिल के खिलाफ जनता का जबरदस्त प्रदर्शन हो रहा है। पेंशन सुधार के विरोध में पेरिस की सड़कों पर भीषण आगजनी और विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। लेकिन फ्रांस में इन तमाम बिगड़ते हालातों के बीच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों गाने गाते हुए दिखाई दिए हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और राष्ट्रपति मैक्रों को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। दरअसल मैक्रों टेलीविजन संबोधन के बाद सड़क पर एक पारंपरिक गीत गाते नजर आए। उन्होंने अपने अलोकप्रिय पेंशन सुधारों पर तनाव को शांत करने की मांग की थी। शुरुआत में लोगों को यकीन नहीं हुआ और लगा कि वीडियो को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है। लेकिन बाद में मैक्रों के करीबी लोगों ने कहा कि ये असली है। बता दें कि फ्रांस में पेंशन बिल को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिल गई है और इसके बाद फ्रांस के 200 शहरों में एक साथ प्रदर्शन हुए हैं। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि मैक्रों का यह फैसला उनके राजनीतिक कैरियर के लिए एक बुरा सपना साबित होगा या फिर फ्रांस में हालात सामान्य हो जाएंगे। फ्रांस 3 महीने से जल रहा है। कोर्ट के फैसले के बाद पेरिस समेत 200 शहरों में हिंसा बढ़ गई।

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होने भारत आएंगें पाकिस्तानी विदेश मंत्री

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो मई में गोवा में एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अनुसार भुट्टो उस पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जो गोवा में 4 और 5 मई को एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी 4 और 5 मई को गोवा में आयोजित होने वाले विदेश मंत्रियों की शंघाई सहयोग परिषद में पाकिस्तान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री भुट्टो जरदारी और मुख्य न्यायाधीश उमर अट्टा बंदियाल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं और गणमान्य लोगों में शामिल हैं, जिन्हें आने वाले महीनों में होने वाले आठ सदस्यीय समूह की बैठकों में भारत द्वारा आमंत्रित किया गया है।

इमरान खान की संभावित गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने ईद की छुट्टियों के दौरान संभावित गिरफ्तारी के खिलाफ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को 20 अप्रैल की तारीख तय की। ईद की छुट्टियां 21 से 25 अप्रैल तक रहेंगी और इस त्योहार के दौरान सभी अदालतें और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार कार्यालय ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी की आशंका के बीच उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। मी?डिया रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक, इमरान (70) की उस याचिका पर सुनवाई करेंगे जो उन्होंने अपने वकील फैसल चौधरी के माध्यम से बुधवार को दायर की थी। इमरान ने अपनी याचिका में आशंका जताई है कि इस्लामाबाद आने पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

गिरफ्तार 17 सिखों में से दो के खिलाफ पहले से ही हत्या के मामले दर्ज

वाशिंगटन। कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किए गए दो प्रतिद्वंद्वी गिरोह के 17 सिखों में से दो के खिलाफ भारत में पहले से ही हत्या के मामले दर्ज हैं, जबकि दो अन्य आपराधिक मामलों में वांछित हैं। कैलिफोर्निया अटॉर्नी जनरल के एक प्रवक्ता के अनुसार, पवित्र सिंह और हुसैनदीप सिंह भारत में हत्या के आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनकी नागरिकता के बारे में अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन यह माना जा रहा है कि वे अब भी भारतीय नागरिक हैं और अमेरिका में शरण लेने का उनका आवेदन लंबित है। स्थानीय और संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कई जगह छापेमारी कर उत्तरी कैलिफोर्निया के विभिन्न शहरों से 17 सिख पुरुषों को गिरफ्तार किया था। उनमें से अधिकतर ऐतिहासिक 'युवा शहर' और उसके आसपास के थे। ये लोग दो प्रतिद्वंद्वी सिख गिरोहों से नाता रखते हैं। इन गिरोह के नाम 'मिंटा ग्रुप' और 'एके47 ग्रुप' हैं। दोनों गिरोह के कम से कम 30-30 सदस्य हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी आश्चर्य हुआ था जब इनके पास से कई खतरनाक आग्नेयास्त्रों की बरामदी हुई। सट्टर काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जेनिफर डुप्रे ने कहा कि कार्रवाई के दौरान 41 आग्नेयास्त्र जब्त किए गए, जिनमें एआर15, एके-47, हैंडगन और कम से कम एक मशीन गन शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैन जोकिन काउंटी से गिरफ्तार किए गए लोगों में से दो धर्मवीर सिंह उर्फ मिंटा और जोबनजीत सिंह को मंटेका जाने के रास्ते में रोका गया था। वे मंटेका मेंकथित तौर पर पिस्तौल, मैगजीन और पूरी तरह से स्वचालित हथियारों के जरिए एक बड़ा हमला करने वाले थे।

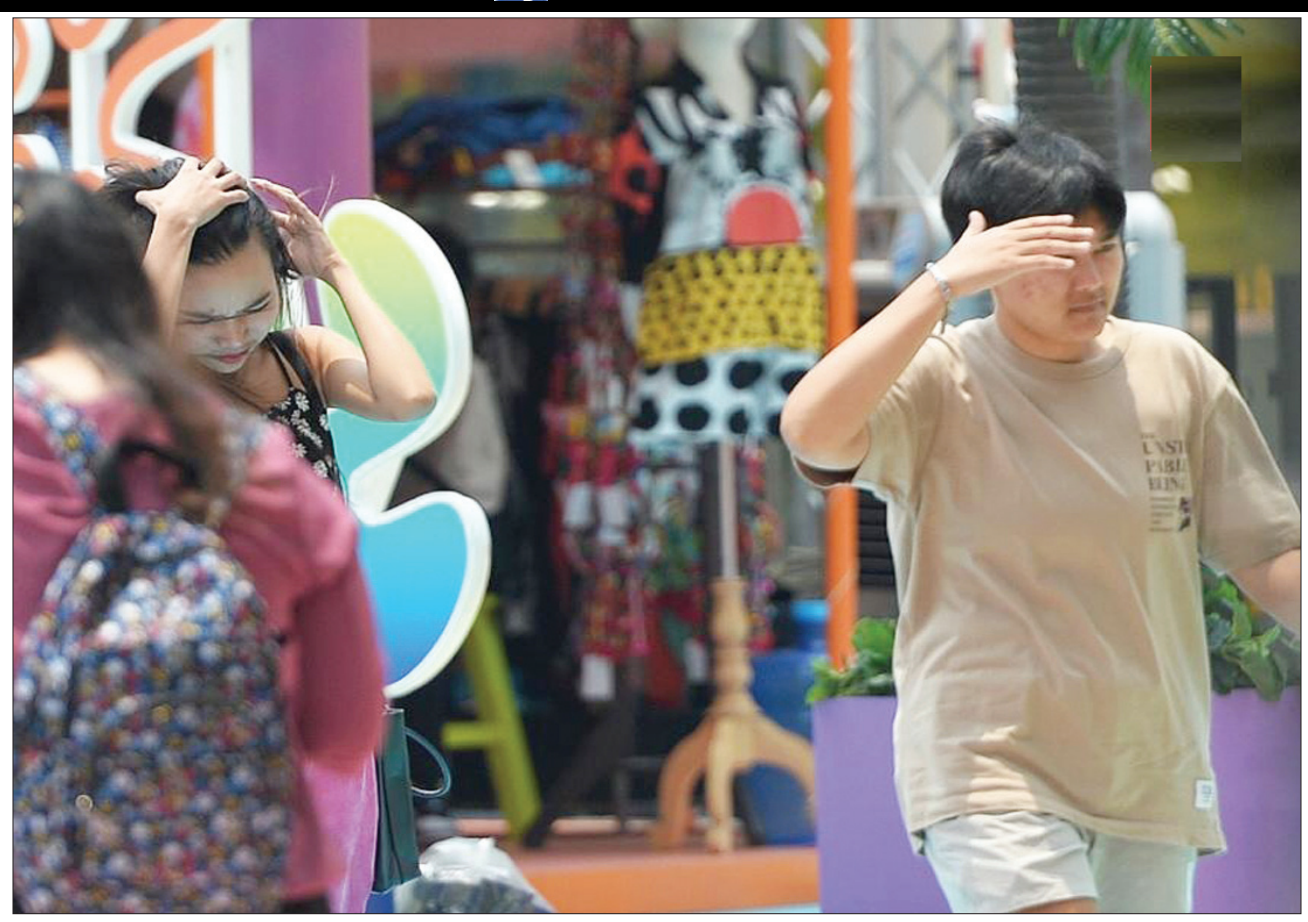

थाइलैंड में बढ़ती गरमी के कारण राहत के लिए छाया की तलाश करते हुए लोग।

रुस ने किया था ब्रिटिश जासूसी विमान पर मिसाइल अटैक

लंदन। अमेरिका की ओर से लीक दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि रूस के एक फाइटर जेट ने ब्रिटिश जासूसी विमान पर मिसाइल अटैक कर दिया था और अगर यह मिसाइल निशाने पर लग जाती तो दोनों देशों के बीच जंग शुरू हो जाती, लेकिन तकनीकी खामी के कारण उसका टारगेट मिस हो गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनमें मिसाइल अटैक को 'एक्ट ऑफ वॉर' कहा है। इसके अनुसार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना के एक पायलट ने आरएएफ-135 रिवेट जॉइंट पर निशाना साधा था जिसमें 30 क्रू मेंबर्स मौजूद थे.लीक दस्तावेजों में कहा गया है कि यह रूसी विमान ब्लैक सी के ऊपर उड़ान पर था और उसने मैसेज का गलत समझते हुए मिसाइल फायर कर दी थी। ब्रिटेन के डिफेंस मिनिस्टर बेन वैलेस ने बीते साल इस घटना के संबंध में डिटेल्स जारी किए थे।उन्होंने कहा कि एसयू-27 फाइटर जेट से मिसाइल अटैक हुआ था, लेकिन यह एक तकनीकी त्रुटि थी।अमेरिका की ओर से लीक दस्तावेजों को सोशल मीडिया में शेयर किया जा रहा है। इधर, न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी पायलट ने जमीन पर रडार ऑपरेटर के मैसेज को गलत समझ लिया था। पायलट को लगा था कि उसे फायर करने की अनुमति दी गई है.इसके बाद रूसी पायलट ने जासूसी विमान को निशाने पर लॉक किया और मिसाइल लॉन्च कर दी। मिसाइल अपने टारगेट तक पहुंचने से पहले ही गिर गई। बताया जा रहा है कि लीक्ड डॉक्यूमेंट्स को ट्विटर और टेलीग्राम पर शेयर किया जा रहा है। रूसी लड़ाकू विमान को उसके कमांड सेंटर से ब्रिटिश खुफिया विमान को मार गिराने का आदेश दिया गया था।29 सितंबर 2022 के इस मिसाइल अटैक घटनाक्रम को लेकर कहा गया है कि मिसाइल में तकनीकी खामी आ गई और वह टारगेट चूक गई।

ब्रिटेन के स्कूल में मुस्लिम कट्टरपंथियों का निशाना बन रहे हिंदू छात्र, धर्म परिवर्तन का बनाया जा रहा दबाव, लड़की पर फेंका बीफ

लंदन (एजेंसी)। विदेश में पढ़ाई को भारतीय समाज के बड़े वर्ग में प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन हालिया वर्षों में ब्रिटेन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले हिंदू छात्र-छात्राओं को नस्ली भेदभाव ढेलने की खबर भी सामने आई है। उन्हें उनकी कक्षा या स्कूल में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र निशाना बनाकर नस्ली टिप्पणी कर रहे हैं और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव भी डाल रहे हैं। हेनरी जैक्सन सोसायटी की रिपोर्ट में पाया गया कि सर्वेक्षण में शामिल 51 प्रतिशत हिंदू माता-पिता ने कहा कि उनके बच्चे ने स्कूलों में हिंदू-विरोधी घृणा का अनुभव किया है, जबकि 1 प्रतिशत से भी कम स्कूलों ने पिछले 5 वर्षों में किसी भी तरह की घृणा की घटना की सूचना दी है।

लड़की पर सहपाठियों ने फेंका बीफ

सर्वेक्षण में शामिल केवल 19 प्रतिशत हिंदू माता-पिता का मानना था कि स्कूल हिंदू-विरोधी घृणा की पहचान करने में सक्षम थे। रिपोर्ट में बच्चों के प्रति हिंदू-विरोधी घृणा के व्यथित करने वाले विवरणों का खुलासा किया गया है। इसमें एक माता-पिता के साथ हिंदू-विरोधी गालियों का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में खुलासा करते हुए बताया गया है कि सकी बेटी को स्कूल में धमकाया गया और क्योंकि वह एक हिंदू इसलिए क्लासमेट द्वारा उस पर गोमांस फेंका गया। एक अन्य माता-पिता ने बताया कि मेरा बच्चा अपने माथे पर तिलक लगाकर स्कूल गया था। उसे धमकाया गया फिर वो ह स्कूल नहीं जाना चाहता था। इन वर्षों में, हमें पूर्वी लंदन में तीन बार उनका स्कूल बदलना पड़ा है।

370 निरस्त होने के बाद बदमाशी घटनाएं

न केवल हिंदू विरोधी अपशब्दों का सामना करना पड़ता है, बल्कि बच्चों को स्कूलों में भी ज़ेनोफोबिक और नस्लवादी गालियों का सामना करना पड़ता है। इन बच्चों द्वारा डराने-धमकाने का संकेत तब सामने आया जब माता-पिता ने खुलासा किया कि कैसे ब्रिटिश बच्चों ने हिंदू बच्चों को गैंग बनाकर दरकिनार कर दिया। रिपोर्ट में एक माता-पिता के हवाले से कहा गया है कि मेरे बच्चे को कई मौकों पर विशेष रूप से भारत में पीएम मोदी के उदय के बाद और अनुच्छेद 370 को रद्द किए जाने के बाद अन्य बच्चों से बदमाशी का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, उन्हें 'काफ़िर' के रूप में लेबल किया गया था, और धर्मांतरण या नरक में जाने की बात कही जाने लगी।

भारत में जनसंख्या वृद्धि प्रतिस्थापन प्रजनन दर से नीचे

जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के प्रमुख जनसांख्यिकी राचेल स्नो के अनुसार हालांकि भारत की 1.4 अरब की आबादी चीन की आबादी को पार कर चुकी है, लेकिन बड़ी खबर यह है कि भारत में जनसंख्या वृद्धि प्रतिस्थापन प्रजनन दर से नीचे है और इसके पास अवसर की खिड़की है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रजनन चरण में प्रवेश करने वाली युवा आबादी समग्र प्रजनन क्षमता को बढ़ावा देगी। प्रतिस्थापन प्रजनन दर बच्चों की औसत संख्या है, जो एक महिला को जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए होनी चाहिए और इस प्रति महिला 2.1 बच्चे माना जाता है।

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, भारत के लिए प्रतिस्थापन प्रजनन दर 2 है। उन्होंने भारत को अवसर की खिड़की करार देकर कहा, आपको प्रजनन वर्षों में प्रवेश करने वाले युवाओं की यह बड़ी संख्या मिली है, जिसका अर्थ है कि प्रजनन क्षमता बढ़ती रहेगी और काम करने वालों की संख्या में बढ़ेगी। स्नो ने कहा, सवाल यह है कि इस अवसर की खिड़की के साथ, क्या यह शिक्षा और रोजगार सृजन, लैंगिक समानता में आवश्यक निवेश जुटाने में सक्षम होगा। स्नो ने ताइवान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर का उदाहरण दिया, जिनका जबरदस्त आर्थिक विकास हुआ और इससे जीवन स्तर भी बेहतर हुआ।

गौरतलब है कि 70 और 80 के दशक में, एशियन टाइगर्स कहे जाने वाले उपरोक्त देशों का असाधारण आर्थिक विकास हुआ था, क्योंकि स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा लोगों के उस समूह की भलाई में बड़ा निवेश था, जो तब अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, भारत के लिए चुनौतियां हैं, इतने सारे लोग हैं, जो अनौपचारिक श्रम बाजार में हैं। फिर से, शैक्षिक मानक अत्यधिक असमान हैं। यदि आप भारत में उत्तर से दक्षिण, दक्षिण से उत्तर की ओर जाते हैं, तो हम इस बड़े देश में जबरदस्त विविधता देखते हैं।

रमज़ान में ज़कात लेने के लिए मची भगदड़ में 85 लोगों की मौत

-यमन की राजधानी सना में हुआ हादसा, 300 से अधिक घायल, 13 की हालत गंभीर

अदन (एजेंसी) रमजान के दौरान जकात लेने की होड़ में 85 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है, वहीं 13 लोगों की हालत गंभीर है, जब?कि तीन सौ से अ?धिक लोगों के घायन होने की सूचना है। मामला यमन की राजधानी सना के एक स्कूल का है, जहां व्यापारियों द्वारा जकात बांटने का आयोजन किया गया था। मीडिया में आई जानकारी के अनुसार यमन की राजधानी सना में मची भगदड़ में मरने वालों तथा घायलों की पु?ष्टि की गई है। गौरतलब है ?कि यमन में ईरान-समर्थित हूती आंदोलन चल रहा है। जहां सना में स्वास्थ्य निदेशक का हवाला देते हुए बताया कि मृतकों के अलावा कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें 13 की स्थिति काफी गंभीर है। हूती नियंत्रित आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि मुसलमानों के पवित्र महीने रमजान के अंतिम दिनों में व्यापारियों द्वारा जकात बांटने के दौरान भगदड़ मच गई। प्रवक्ता ने इस घटना को 'दुखद' बताया। गौरतलब है कि जकात एक तरह का धर्मार्थ दान होता है। प्रत्येक सक्षम मुस्लिम के लिए हर साल अपनी कुल जमा संपत्ति में से ढाई फीसद हिस्सा बतौर जकात गरीबों में बांटना फर्ज होता है।

यूके में भारतीय उड़िया नारी का प्राउड मोमेंट ! मैराथन में साड़ी पहनकर 42.5 किमी दौड़ीं मधुस्मिता

लंदन(एजेंसी)। ब्रिटेन में एक भारतीय उड़िया नारी का तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे है। महिला ने संबलपुरी साड़ी पहनकर विगत दिवस रविवार को मैनचेस्टर में 42.5 किलोमीटर की मैराथन दौड़ लगाई। यह ब्रिटेन का दूसरा सबसे बड़ा मैनचेस्टर मैराथन-2023 था। सुंदर लाल साड़ी और नारंगी स्नीकर्स पहने 41 वर्षीय मधुस्मिता जेना दास ने 4 घंटे 50 मिनट में अपनी मैराथन पूरी की। एक ट्विटर यूजर्स ने तस्वीरें साझा कीं, जिसमें जेना दास अन्य प्रतिभागियों के साथ मैराथन में भाग लेती दिख रही हैं।

यूजर्स ने ट्वीट में किया कि यूके के मैनचेस्टर में रहने वाली एक उड़िया महिला ने संबलपुरी साड़ी पहनकर ब्रिटेन की दूसरी सबसे बड़ी मैनचेस्टर मैराथन-2023 में दौड़ लगाई। संबलपुर आपकी एक विशिष्ट समावेशी सांस्कृतिक पहचान है जो सदियों से सह-अस्तित्व वाले आदिवासी और लोक समुदायों के मजबूत जुड़ाव से उत्पन्न होती है।

फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी इंटल यूके के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने मैराथन का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वह साड़ी में आराम से दौड़ती दिख रही हैं, जबकि उनके दोस्त और परिवार वाले उनके लिए तालियां बजा रहे हैं। ट्वीट में लिखा कि गर्व से अपनी भारतीय विरासत को प्रदर्शित करते हुए मधुस्मिता जेना संबलपुरी साड़ी में आराम से मैनचेस्टर मैराथन-2023 में दौड़ रही हैं।

अपनी नवीनतम उपलब्धि के साथ जेना ने यूके में उड़िया समुदाय को गौरवान्वित किया और कई लोगों ने ओडिशा की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए उनकी सराहना की। कई लोगों ने यह भी देखा कि कैसे साड़ी पहनकर दौड़ना हमेशा एक मुश्किल काम होता है। ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा कि प्राउड मोमेंट, लगे रहो डियर। दूसरे ने लिखा कि वाह, कितनी प्यारी तस्वीर है, हमें अपनी संस्कृति दुनिया को इस तरह दिखानी चाहिए, जो विदेशी पोशाक पहनने के लिए तैयार हैं, कृपया इनसे सीखें।

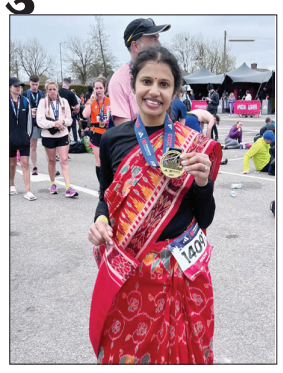

अदावत हुई दूर, अब दोस्ती होगी भरपूर, क्यों एक दूसरे के दुश्मन हो गए थे ईरान और सऊदी अरब, दो धड़ों में बंट गया था मिडल ईस्ट

तेहरान (एजेंसी)। करीब सात साल बाद दुनिया के दो सबसे बड़े शिया और सुन्नी देश अपनी दुश्मनी को भुलाकर औपचारिक रिश्तों की नई शुरुआत कर रहे हैं। पिछले महीने चीन द्वारा मध्यस्थता के बाद रियाद द्वारा अपने राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब भी पहुंचा था। अब ईरान ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब के किंग को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है। लेकिन सऊदी अरब और ईरान किसी जमाने में एक दूसरे के कट्टर दुश्मन हुआ करते थे। सऊदी अरब साम्राज्य और इस्लामी गणराज्य ईरान दशकों से एक-दूसरे के खिलाफ रहे हैं। उनके बीच दशकों पुराना झगड़ा धार्मिक मतभेदों से बढ़ा है। वे प्रत्येक इस्लाम की दो मुख्य शाखाओं में से एक का पालन करते हैं।ईरान बड़े पैमाने पर शिया मुस्लिम है, जबकि सऊदी अरब खुद को प्रमुख सुन्नी मुस्लिम शक्ति के रूप में देखता है। मध्य पूर्व के महान खेल में ईरान और अरब शक्तिशाली खिलाड़ी रहे हैं। पूरे क्षेत्र में फैले ईरान के फारसी साम्राज्यों का प्रभुत्व था। जबकि अरब अधिक विकेंद्रीकृत थे। धार्मिक विभाजन मध्य पूर्व के व्यापक मानचित्र में परिलक्षित होता है, जहाँ अन्य देशों में शिया या सुन्नी बहुमत हैं, जिनमें से कुछ समर्थन या मार्गदर्शन के लिए ईरान या सऊदी अरब की ओर देखते हैं।

पैगंबर की गदीर की घोषणा

601 ई में पैगंबर मोहम्मद ने इस्लाम धर्म की शुरुआत की। 632 ई में पैगंबर मोहम्मद अपनी जिंदगी का आखिरी हज पूरा करके मक्का से मदीना जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने सभी हाजियों को गदीर के मैदान में रूकने का आदेश दिया। ये जगह जोहफा के पास थी, जहां से कई रास्ते निकलते थे। कहा जाता है कि इसी जगह पर पैगंबर साहब को अल्लाह ने संदेश भेजा। यह संदेश कुरआन में भी मौजूद है। पैगंबर मोहम्मद साहब ने सभी हाजियों को ज़ोहफा से 3 किलोमीटर दूर गदीर नामक मैदान पर रुकने के आदेश दे दिए। मोहम्मद साहब ने उन लोगों को भी वापिस बुलवाया जो लोग आगे जा चुके थे और उन लोगों का भी इंतज़ार किया जो लोग पीछे रह गए थे। हदीसों के मुताबिक इसी मंच यानी कि मिम्बर से पैगंबर मोहम्मद साहब ने अपने दामाद हज़रत अली को गोद में उठाया और कहा कि 'जिस जिसका मैं मौला हूं उस उस के ये अली मौला हैं।

दो धड़ों में बंट गए मुसलमान और पड़ी शिया-सुन्नी के बीच दुश्मनी की नींव

पैगंबर मोहम्मद साहब अपने शहर पहुंचे और कुछ ही महीनों के बाद उनका निधन हो गया। मोहम्मद साहब के निधन के बाद मोहम्मद साहब की गद्दी पर उनका कौन वारिस बैठेगा इसी को लेकर दोनों ही समुदाय अलग-थलग पड़ गए। एक पक्ष का मानना था कि मोहम्मद साहब ने किसी को अपना वारिस नहीं बनाया है। इसलिए योग्य शख्स को चुना जाए। दूसरे पक्ष का मानना था कि पैगंबर मोहम्मद ने गदीर के मैदान में जो घोषणा की थी वो वारिस को लेकर ही थी।

वक्त के साथ और गहरी होती गई खाई

1501 में पर्शिया (अब ईरान) में सफाविद वंश स्थापित हुआ। सफाविदों ने शिया इस्लाम को स्टेट रिलिजन घोषित कर दिया। पहली बार शिया मुस्लिम भी सत्ता में आए। सुन्नी खलीफाओं के ओटोमन साम्राज्य (केंद्र तुर्की) के साथ सफाविदों (केंद्र ईरान) की करीब 200 साल तक जंग चलती रही। 17वीं सदी तक इन वंशों का प्रभाव फीका पड़ने लगा, लेकिन इसका असर आज के भौगोलिक विस्तार में देखा जा सकता है। 1941 में शिया बहुल ईरान में शाह रजा पहलवी गद्दी पर बैठे। वो शिया इस्लाम को मानते थे, लेकिन उन पर अमेरिका का पिट्ठू होने के आरोप लगे। शियाओं के धार्मिक नेता आयोतोल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी ने भी उनका विरोध किया, जिसके बाद खोमेनी को निर्वासित कर दिया गया।1978 में करीब 20 लाख लोग शाह के खिलाफ प्रदर्शन करने शाहयाद चौक में जमा हुए। इसे ही इस्लामिक रिवॉल्यूशन कहा जाता है।

ईरान और सऊदी की दुश्मनी

2003 में अमेरिका ने ईरान के प्रमुख विरोधी इराक पर आक्रमण कर सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस नहस कर दिया। इससे यहां शिया बहुत सरकार के लिए रास्ता खुल गया और देश में ईरान का प्रभाव तब से तेजी से बढ़ा है। 2011 की स्थिति ये थी कि कई अरब देशों में विद्रोह के स्वर बढ़ रहे थे, जिसकी वजह से पूरे इलाके में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो गई। ईरान और सऊदी अरब ने इस उथल पुथल का फायदा उठाते हुए सीरिया, बहरीन और यमन में अपने प्रभाव का विस्तार किया। मध्य पूर्व दो धड़ों में भी बंटी नजर आया था। सुन्नी बहुल सऊदी अरब के समर्थन में यूएई, बहरीन, मिस्र और जॉर्डन जैसे खाड़ी देश खड़े हैं। वहीं ईरान के समर्थन में सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद हैं जिन्हें सुन्नियों के ख़लिाफ़ हिजबुल्लाह सहित ईरानी शिया मिलिशिया समूहों का भरोसा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जी-20 के डैलीगेट्स संग गाला डिनर में खूब जमा हिमाचली रंग

धर्मशाला। जी-20 बैठक में सम्मिलित विदेशी मेहमानों के सम्मान में प्रदेश सरकार ने एचपीसीए स्टेडियम में गाला डिनर का आयोजन किया। इस मौके पर उन्हें हिमाचली परंपरा के अनुरूप प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। प्रदेश सरकार की तरफ से कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने डैलीगेट्स को उपहार भेंट किए, जिसमें सरकार द्वारा डैलीगेट्स को हिमाचली टोपी-शॉल के अलावा कांगड़ा पेंटिंग्स देकर सम्मानित किया गया, वहीं उन्हें पाइन निडल ईयर रिंग्स, किन्नौरी फ्लावर कोस्टर, देव संस्कृति के प्रतीक मोहरों के साथ ही हिमाचली हस्तशिल्प उत्पाद ट्वीड टोट बैग और जूट मैट उपहार में दिए गए। इस दौरान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली, कांगड़ा के सांसद किशन कपूर, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना और डीसी डॉ. निपुण जिंदल सहित प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। गाला डिनर के दौरान विदेशी मेहमानों को हिमाचल की स्मृद्ध लोक संस्कृति से भी अवगत करवाया गया। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकारों ने नृत्य और संगीत के माध्यम से डैलीगेट्स को हिमाचल की सांस्कृतिक समृद्धि की झलक दिखाई। विदेशी मेहमानों ने मुक्त कंठ से हिमाचली लोक प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हिमाचल की स्मृद्ध लोक संस्कृति से रूबरू होने का जो अवसर प्रदेश सरकार ने उन्हें दिया उससे वे अभिभूत हैं। उन्होंने हिमाचल सरकार की मेहमाननवाजी का आभार जताते हुए कहा इसे जीवनभर के लिए एक सुंदर स्मृति बताया। इस अवसर पर जी-20 के कुछ डैलीगेट्स कलाकारों के साथ हिमाचली लोक धुनों में थिरकते हुए भी नजर आए।

सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने अपने बाल किए दान

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने अपने बाल दान कर ?दिए हैं। गौरतल है कि नवजोत कौर इन ?दिनों कैंसर से लड़ रही हैं, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी थी। हाल ही में नवजोत कौर सिद्धू ने सोशल मीडिया के जरिए अपने नए लुक को शेयर किया है, जिसमें वह अपने लंबे बालों को कटवाकर बॉय कट लुक में नजर आ रही है। दरअसल, उनका कहना है कि खुद कैंसर पीड़ित होने के बाद उन्होंने अन्य के दर्द को जाना है, इसी कारण अब अपने लंबे बालों को कटवाकर उन्हें दान किया है। नवजोत कौर ने ट्वीट करते लिखा, चीजों को नाले में फैंकना दूसरों के लिए बहुत मायने रखता है... मैंने अभी अपने लिए प्राकृतिक बालों की विग की कीमत के बारे में जानकारी हासिल की, जिसकी मुझे दूसरी कीमोथैरेपी के बाद जरूरत होगी, करीब 50,000 से 70,000 रुपए। इसलिए मैंने एक कैंसर रोगी के लिए अपने बाल दान करने का फैसला किया क्योंकि अधिक दान का मतलब है सस्ती विग हासिल करना।

साईंबाबा के चरणों में भक्त करते भर-भर कर दान, पर बैंकों ने सिक्कों को गिनने से किया इंकार

- अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से संपर्क करने की कोशिश

शिरडी। शिरडी को तिरुपति बालाजी के बाद भारत के दूसरे सबसे अमीर धार्मिक स्थल होने का गौरव हासिल है. साईं बाबा के दर्शन के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की तरफ से यथा शक्ति दान किया जाता है. बड़े-बड़े सेलिब्रिटी, उद्योगपति, बिजनेसमैन, स्पोर्ट्स स्टार लाखों-करोड़ों की रकम और आभूषण दान करते हैं. लेकिन कई आम भक्त अपनी क्षमता के हिसाब से छोटी रकम भी दान करते हैं. उनके ये दान सिक्कों में हुआ करते हैं. इस तरह से साल भर में हर रोज के हजारों श्रद्धालु मिलकर लाखों की तादाद में हो जाते हैं. डोनेशन बॉक्स में जमा की जाने वाली उनकी दान की रकम हफ्ते में सात लाख और साल में साढ़े तीन से चार करोड़ रुपए तक हो जाती है. यही वजह है कि अब बैंकों ने शिरडी के साईं बाबा संस्थान से यह कहना शुरू कर दिया कि वे 1, 2 और 5, 10 के इतने सारे सिक्के उनके पास जमा करवाने ना लाएं. इन्हें गिनने में बहुत वक्त जाता है. बैंकों के मुताबिक इतना वक्त देकर इन्हें गिनने की थका देने वाली प्रक्रिया के बाद जमा करना व्यावहारिक नहीं है तथा बैंकों में इतने सारे सिक्कों को रखने की जगह नहीं है. इसके साथ ही बैंकों का कहना है कि ये सिक्के ज्यादा चलन में नहीं आते हैं. अब तक चार बैंकों ने इन सिक्कों को गिन कर जमा करने से इनकार कर दिया है. साईं संस्थान साढ़े तीन करोड़ रुपए की रकम के बराबर के सिक्के लेकर बैंक दर बैंक चक्कर काट रहा है, लेकिन बैंक इतनी बड़ी तादाद में सिक्कों को स्वीकार कर उन्हें गिन कर जमा करने के लिए तैयार नहीं है. शिरडी साईं संस्थान की ओर से ना सिर्फ शिरडी बल्कि अहमदनगर जिले में आने वाले और इसके आसपास के जिलों के बैंकों से भी संपर्क करने पर जवाब ना में ही मिला. अब हार कर शिरडी साईं संस्थान रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है. यह जानकारी संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल जाधव ने दी.

जहरीली शराब पीने से हुई मौतों पर मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के कई जिलों में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर स्वत- संज्ञान ?लिया है। आयोग ने इस मामले में राज्य सरकार और प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएचआरसी ने उनसे छह सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बयान में कहा गया है ?कि आयोग ने 16 अप्रैल 2023 को जहरीली शराब पीने से हुई मौतों पर मीडिया में आई खबरों पर स्वत- संज्ञान लिया है। हालांकि, विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन लोगों की मौत होने की रिपोर्ट अब भी आ रही है। आयोग ने कथित जहरीली शराब कांड पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। मोतिहारी में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से पांच और लोगों की मौत हो जाने के बाद मौजूदा जहरीली शराब कांड में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर मंगलवार को 31 हो गई। बयान में कहा गया है कि पिछले साल दिसंबर में भी बिहार में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत होने के बाद आयोग ने मीडिया में आई खबरों का स्वत- संज्ञान लिया था। वह मामला भी आयोग के विचाराधं है।

पुंछ में सेना की गाड़ी में लगी आग, 4 जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में गुरुवार को एक वाहन में आग लगने से सेना के चार जवानों की मौत हो गई। घटना भाटा धुरियान इलाके के पास हुई। घटना स्थल पर सेना और पुलिस के जवान पहुंच गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार को भारतीय सेना के एक वाहन में आग लग गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि आग से लोगों के हताहत होने की आशंका है। आधिकारिक विवरण की प्रतीक्षा की जा रही थी, सूत्रों ने कहा कि वे पुंछ में भींबर गली से तोता गली में सेना की एक इकाई के लिए वाहन में मिट्टी का तेल ले जा रहे थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि बिजली गिरने के बाद वाहन में आग लग गई क्योंकि तेज आंधी के साथ भारी बारिश हो रही थी।

दो अधिकारियों को हाई कोर्ट ने कराया गिरफ्तार, सुप्रीम कोर्ट ने छोड़ा

नई दिल्ली। जिन दो अधिकारियों को हाई कोर्ट ने गिरफ्तार कराया था, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने रिहा कर दिया। जानकारी के अनुसार उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें उत्तर प्रदेश के वित्त सचिव एस.एम.ए. रिजवी और विशेष वित्त सचिव सरयू प्रसाद मिश्रा को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। दोनों अधिकारियों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का पालन न करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने दोनों अधिकारियों को उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सुविधा बढ़ाने संबंधी प्रस्तावित कानून को एक सप्ताह के भीतर लागू करने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने हिरासत में लिए गए अधिकारियों को रिहा करने का आदेश दिया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया था। मामले में तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए नटराज ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि दोनों अधिकारी इस समय हिरासत में हैं।

कोरोना संक्रमितों की हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी, एक दिन में ही 12 हजार नए केस

-दिल्ली, नोएडा, गा?जियाबाद, फरीदाबाद सहित एनसीआर के अन्य इलाकों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना से संक्र?मितों की बेतहाशा बढ़ोतरी से स्वास्थ्य महकमा ?चिं?तित हो रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में कोरोना वायरस के केसों में बढ़ोतरी का सिलसिला लगातार जारी है। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 12,591 नए मामले सामने आए हैं और 10,827 मरीज ठीक हुए हैं। अभी देश में कोरोना के 65,286 एक्टिव केस हैं। इससे पहले बुधवार को देश में कोरोना वायरस के 10,542 नए मामले सामने आए। महाराष्ट्र में कोविड-19 के एक हजार से अधिक नए केस दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली में भी कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से उछाल हो रहा है। दिल्ली में भी रोजाना एक हजार से ज्यादा नए केस दर्ज किए जा रहे हैं। दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद समेत एनसीआर के अन्य इलाकों में भी कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालांकि एक्सपर्ट का कहना है कि देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या में भले ही इजाफा हो रहा हो, लेकिन स्थिति अभी कंट्रोल में है। बस लोगों को कोरोना से सतर्क रहने की जरूरत है। इधर दिल्ली में बुधवार को कोविड के 1,767 नए मामले सामने आए, जबकि कोरोना वायरस संक्रमण से छह मरीजों की मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों से स्पष्ट है ?कि शहर में संक्रमण दर 28.63 प्रतिशत रही। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड से और छह लोगों की मौत होने के बाद यहां महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 26,578 हो गई है। दिल्ली में मंगलवार को कोविड के 1,537 नए मामले सामने आए थे, जबकि संक्रमण दर 26.54 प्रतिशत दर्ज की गई थी। देश के अलग-अलग हिस्सों में कोरोना वायरस के केसों में बढ़ोतरी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी बीच महाराष्ट्र में कोविड-19 के एक हजार से अधिक नये केस दर्ज किए गए हैं। मेडिकल एजुकेशन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि कोविड-19 के 1,100 नए मामलों के साथ, महाराष्ट्र सरकार ने गंभीर मामलों के इलाज के लिए अन्य सभी व्यवस्थाओं के साथ मरीजों के लिए 25 समर्पित अस्पताल शुरू किए हैं। महाजन ने राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के डीन के अलावा डॉ. अश्विनी जोशी, राजीव निवात्कर, डॉ. दिलीप म्हैसेकर, डॉ. अजय चंदनवाले, प्राचार्यों सहित अपने विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत की।

महाराष्ट्र में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर राज्य सरकार महामारी के इलाज के लिए समर्पित 25 अस्पतालों का फिर से संचालन कर रही है। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन ने बुधवार को यह घोषणा करते हुए कहा, 'कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच, राज्य ने चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग के तहत कोविड-19 के इलाज के लिए समर्पित 25 अस्पतालों को फिर से चालू कर दिया है। कोविड-19 के मरीजों के लिए 5,000 बिस्तर, 2,000 से अधिक वेंटिलेटर, 62 तरल चिकित्सा ऑक्सीजन और 37 पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र हैं।

इधर नोएडा में एक सप्ताह से हर रोज 100 से ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं। बुधवार को जारी रिपोर्ट में आठ बच्चों समेत 142 मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। नोएडा-ग्रेनो में 1793 संदिग्ध लोगों की जांच हुई थी। पॉजिटिविटी रेट 7.91 प्रतिशत रहा। बुधवार को 99 लोग ठीक हुए। सक्रिय केसों में 27 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं सभी की हालत स्थित बताई जा रही है। मंगलवार की देर रात कोरोना संक्रमित एक बुजुर्ग की सेक्टर-39 के कोविड अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बुजुर्ग की मौत सिर्फ कोरोना से नहीं हुई है। वह पहले से ही गंभीर बीमारी के शिकार थे।

नडडा के बयान पर कांग्रेस का हमला, मतदाताओं को धमका रही भाजपा

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही सियासी जंग तेज हो गई है। इस बार, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा की टिप्पणी पर कांग्रेस आक्रामक हो गई है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर वीडियो क्लिप का एक हिस्सा शेयर किया है। वीडियो में नड्डा को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैं आपसे अपील करता हूं कि आप कमल के प्रतीक को वोट दें और विकास को आगे बढ़ाएं ताकि कर्नाटक मोदी जी के आशीर्वाद से वंचित न रहे। बता दें कि रैली के दौरान नडडा ने कहा था कि कर्नाटक में विकास की गंगा बहती रहे, इसकारण मैं कमल के निशान पर वोट मांगने आया हूं। कर्नाटक में विकास चलता रहे, निरंतर चलता रहे, ये चुनाव का मुद्दा है। जो मोदी जी का आशीर्वाद है उससे कहीं कर्नाटक वंचित न हो जाए इसकारण मेरा आपसे अनुरोध है, कि आपने कमल को जीताना है और कर्नाटक के विकास को आगे बढ़ाना है। प्रदेश में लगातार हो रहा विकास चुनाव में एक मुद्दा है। इस बयान के बाद कांग्रेस ने नड्डा पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाकर उनकी टिप्पणियों को लोकतंत्र पर जबरदस्त हमला बताया है। कांग्रेस ने ट्वीट करते हुए कहा कि बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने कर्नाटक के लोगों से संवैधानिक अधिकारों को वापस लेने की धमकी दी, अगर वे भ्रष्ट 40 प्रतिशत बीजेपी सरकार को वोट नहीं देते हैं। यह लोकतंत्र पर एक जबरदस्त हमला है और दिखाता है कि बीजेपी किस तरह की योजना बना रही है। हम किसी राजा की प्रजा नहीं हैं बल्कि संविधान द्वारा शासित एक संघीय देश के नागरिक हैं।

एक तरफ मौत, तो दूसरी तरफ भूख-प्यास से तड़प रहे भारतीय

-सूडान में नहीं हुआ संघर्ष ?विराम का पालन, 4000 लोगों का रेस्क्यू करना हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूडान की राजधानी खार्तुम गुरुवार को भी बम धमाकों और भारी गोलाबारी से दहलती रही। यहां संघर्ष विराम का पालन नहीं हुआ और फंसे हुए भारतीय भूख-प्यास से तड़प रहे हैं। यहां लगभग चार हजार भारतीय फंसे हुए हैं। इस समय राजधानी खार्तुम के कई इलाकों में ऊंची इमारतों से आग की लपटें और धुआं निकलता रहा। सूडान में प्रतिद्वंद्वी जनरलों के प्रति वफादार बलों के बीच जारी लड़ाई का आज लगातार छठा दिन है। गौरतलब है कि सूडानी सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल मंगलवार शाम से 24 घंटे के संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए थे, लेकिन उसका पालन नहीं होता दिखा। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी के अनुसार देश में सप्ताहांत में शुरू हुई हिंसा के बाद से अभी तक कम से कम 270 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 2600 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई शव सड़कों पर बिखरे पड़े हैं और झड़प के कारण कई क्षेत्र पहुंच से दूर हैं।

सूडान की राजधानी में लोग डर के साए में जी रहे हैं। और राजधानी छोड़कर दूसरे देशों में पलायन कर रहे हैं। इधर, सूडान में फंसे कई भारतीयों के चिंतित परिजन अपने रिश्तेदारों के बारे में किसी भी तरह की जानकारी की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। चिंतित परिजनों ने भारत सरकार से अपील की है कि

संकटग्रस्त अफ्रीकी देश में फंसे लोगों को निकालने की व्यवस्था की जाए। सूडान में करीब 4,000 भारतीय हैं जिनमें करीब 1200 लोग सूडान में बस गए थे और वे वहां करीब 150 वर्षों से हैं। अन्य प्रवासी भारतीय सूडान में पेशेवरों के रूप में काम कर रहे हैं, वहीं कुछ भारतीय संयुक्त राष्ट्र मिशन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में काम कर रहे हैं।

भारत हिंसा प्रभावित सूडान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब सहित विभिन्न देशों के साथ करीबी समन्वय कर रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार उस देश में जमीनी हालात गंभीर हैं और इस समय लोगों की आवाजाही जोखिम भरी होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंसाग्रस्त सूडान की स्थिति पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा की और भारतीयों की सुरक्षा के लिए व्यावहारिक सहयोग देने का भरोसा दिया। सूत्रों ने बताया कि भारत संयुक्त राष्ट्र के साथ भी काम कर रहा है, जिसकी सूडान में उल्लेखनीय उपस्थिति है। वाशिंगटन में भारतीय राजदूत और लंदन स्थित भारतीय उच्चायुक्त सूडान की स्थिति को लेकर संबंधित मेजबान सरकारों के साथ सम्पर्क में हैं। वहीं, नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने सूडान की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सूचना एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जहां से हर संभव मदद की जा रही है।

तेजस्वी ने भाजपा पर लगाया बिहार में साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने का आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री व राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भाजपा पर निशाना साधा और बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार में साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने का प्रयास किया गया। राजद के तीन दिवसीय आंबेडकर परिचर्चा आयोजन के अंतिम दिन तेजस्वी ने अपने संबोधन में आरोप लगाते हुए कहा ?कि भाजपा को बिहार से खतरा है इसलिए बिहार को टारगेट किया जा रहा है। पहले तमिलनाडु के सवाल पर फर्जी ख़बरें चलाई गयीं। फिर बिहार शरीफ और सासाराम में साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने का प्रयास किया गया। तेजस्वी यादव ने कहा ?कि उनके नेताओं द्वारा बिहार की धरती पर झूट का उपयोग किया गया, लगातार झूठ का प्रचार किया जा रहा है वे लोग झूठ बोलने के मैनुफैक्चरर, डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलर हैं। उन्होंने सभी केन्द्रीय एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया? है, समाचार भी उनके अनुसार बन रहा है और लोगों को परोसा जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने कहा, वे लोग आज इतने डरे हुए और हताश हो गये हैं कि कोई आधार नहीं रहने के बावजूद सी.बी.आई., ई.डी. और आई.टी. का इस्तेमाल हो रहा है जिसका उद्देश्य खबरें बनाना और मेरी छवि को खराब करना है। उनकी साजिश है कि हमें इन मामलों में उलझाये रखें जिससे हमें काम करने का मौका नहीं मिले।'' तेजस्वी ने कहा, देश में जो माहौल बनाया जा रहा है वह चिंता का विषय है। आंबेडकरवादियों और समाजवादियों पर लगातार प्रहार हो रहा है। क्षेत्रिय दलों को समाप्त करने की साजिश चल रही है। देश के इतिहास और ऐतिहासिक विरासत को बदलकर अपने अनुसार इतिहास गढने का प्रयास हो रहा है।

गौतम अडानी ने की शरद पवार से मुलाकात, बंद कमरे में हुई 2 घंटे तक बात

- अडानी और पवार की मुलाकात की चर्चा मुंबई से लेकर दिल्ली तक

- क्या कांग्रेस को अलग-थलग करने की कोशिश में हैं शरद पवार ?

मुंबई (एजेंसी)। एक ओर जहां राहुल गांधी लगातार उद्योगपति गौतम अडानी और पीएम नरेंद्र मोदी के संबंधों को लेकर सवाल कर रहे हैं तो वहीं ओर कांग्रेस की सहयोगी पार्टी एनसीपी के प्रमुख शरद पवार ने गौतम अडानी का बचाव करते हुए देश के इंफ्रास्ट्रक्चर और इकॉनॉमी में उनके योगदान का जिक्र किया था. उन्होंने कहा था कि विदेशी एजेंसियों की रिपोर्ट की नीयत और विश्वसनीयता पर भरोसा नहीं किया जा सकता. इसके बाद गुरुवार को गौतम अडानी ने मुंबई में शरद पवार से उनके सिल्वर ओक बंगले में जाकर मुलाकात की. दोनों की बंद कमरे में दो घंटे तक बात हुई. अब अडानी और पवार की मुलाकात की चर्चा मुंबई से लेकर दिल्ली तक हो रही है. बताया जा रहा है कि दोनों की मुलाकात के दौरान एनसीपी का एक भी नेता वहां मौजूद नहीं था. इस खास मुलाकात में शरद पवार और गौतम अडानी ही शामिल थे. ऐसे में दोनों के बीच क्या बातें हुईं, किसी को उसकी खबर नहीं है. लेकिन दोनों के बीच मुलाकात राजनीतिक गलियारों की एक बड़ी खबर बन गई है. सूत्रों के मुताबिक गौतम अडानी गुरुवार सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर शरद पवार से मिलने उनके मुंबई स्थित सिल्वर ओक निवास पर पहुंचे. गौतम अडानी और शरद पवार के बीच किस मुद्दे पर बात हुई, इस पर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं. कहा जा रहा है कि हाल के दिनों में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद जिस तरह से राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी ने अडानी पर आक्रामक रुख अपनाया हुआ है, उस संदर्भ में अडानी पवार से कुछ मशवरा करने आए होंगे. कहा तो ये भी जा रहा है कि शरद पवार अडानी के मुद्दे पर कांग्रेस को अलग-थलग करने की कोशिश में हैं. बहरहाल इसमें कितनी सच्चाई है और अडानी-पवार के बीच की यह मुलाकात क्या गुल खिलाती है ये तो आने वाले समय में ही पता चलेगा.

अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप ब्रिटेन जाने से रोका

-पुलिस अधिकारियों ने बताया वे हिरासत में नहीं

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक नेता और 'वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर को ब्रिटेन जाने से रोक दिया। अमृतसर एयरपोर्ट पर अमृतपाल सिंह की पत्नी को हिरासत में लेने की खबर आई थी। हालांकि पंजाब पुलिस से जुड़े सूत्र ने बताया कि वह पहले से ही पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं, उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया है। सूत्र ने कहा कि आव्रजन अधिकारियों ने किरणदीप के पति की पृष्ठभूमि को देखकर उन्हें केवल पूछताछ के लिए रोका है।

किरणदीप ने इसके पहले पुलिस की पूछताछ के दौरान बताया था कि अमृतपाल से उसका कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बता दें कि अमृतपाल की पत्नी यूके की नागरिक हैं और वह लंदन जाने वाली थी, उसके खिलाफ कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। अमृतपाल की पत्नी को अमृतसर एयरपोर्ट कौन रिश्तेदार छोड़ने आया था, इस बात का भी अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने फिलहाल कोई भी खुलासा करने से इनकार कर दिया है। एयरपोर्ट पर कोई भी रिश्तेदार नहीं दिखाई दिया है।

किरणदीप से अमृतपाल की फरारी के बाद पहले भी पूछताछ कर चुकी है। चूंकि किरणदीप यूके की नागरिक है, इसलिए यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उसके पासपोर्ट की भारत में कितनी मियाद थी। सूत्रों का कहना है कि पुलिस इस बारे में जानने की कोशिश कर रही है कि वह कितने समय के लिए पासपोर्ट पर भारत में रह सकती थी। किरणदीप कौर ने कहा था कि दो माह बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ेगा।

अमृतपाल ने इसी साल 10 फरवरी को यूके में रहने वाली इस एनआरआई किरणदीप कौर से शादी की थी। दोनों की शादी को बड़े गुपचुप तरीके से अमृतपाल सिंह के पैतृक गांव जल्लूपुर खेड़ा में की गई। इस शादी के ज्यादा फोटोग्राफ्स भी नहीं हैं।

अमित शाह ने की एससीओ बैठक की अध्यक्षता, आपात स्थितियों को खत्म करने और उनसे बचाव के उपायों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन से संबंधित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य-राज्यों के विभागों के प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की। एससीओ 2001 में स्थापित एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें भारत, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान यानी आठ सदस्य देश शामिल हैं। 2017 में एक पूर्ण सदस्य देश के रूप में प्रवेश के बाद से भारत ने संगठन

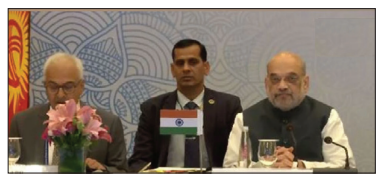

के साथ एक सक्रिय जुड़ाव बनाए रखा है। भारत एससीओ सदस्य देशों, पर्यवेक्षकों और संवाद भागीदारों के पारस्परिक लाभ के प्रस्तावों को शुरू करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन के लिए एससीओ सदस्य राज्यों के विभागों के प्रमुखों की बैठक के दौरान एससीओ सदस्य राज्यों के प्रतिनिधियों ने बड़े पैमाने पर आपातकालीन स्थितियों से संबंधित जानकारी साझा की। प्रतिनिधि एससीओ के ढांचे के भीतर आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन के क्षेत्र में सहयोग के लिए नवीन प्रथाओं, प्रौद्योगिकियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार साझा करेंगे।

चीन की घटती आबादी से दुनिया हुई परेशान, लेकिन ड्रेगन को कोई चिंता नहीं

राजस्थान में 145 दिन सबसे अधिक गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में घटती आबादी से दुनिया भले ही परेशान होती रहे लेकिन ड्रेगन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। हालांकि कल एक रिपोर्ट सामने आयी, जिसमें कहा गया कि भारत की आबादी 142.86 करोड़ हो गयी है। इसके साथ भी भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि चीन की आबादी घटती जा रही है। इस खबर ने चीन ने भले ही तवज्जो नहीं दिया लेकिन दुनिया के कई देशों को परेशान कर दिया है। वहीं, भारत इससे खुश है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि सस्ती लेबर के कारण तेजी से तरक्की होगी। चीन पर घटती जनसंख्या के असर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ड्रैगन ने इस रिपोर्ट को तवज्जो नहीं दिया और कहा कि उसके पास अब भी 90 करोड़ से अधिक लोगों का गुणवत्ता वाला मानव संसाधन है जो तेज गति से विकास कर सकता है। आपको बता दें कि चीन में वर्षों पहले एक बच्चे की नीति अपनाई गई। असके बाद चीन की आबादी लगातार कम हो रही है। चीन की घटती आबादी का असर वहां की घरेलू अर्थव्यवस्था पर तो दिख ही रही है, बल्कि वैश्विक स्तर भी पर भी इसका प्रभाव पड़ने की संभावना है। यही कारण है कि दुनिया भर के अर्थशास्त्री इससे चिंतित हैं।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के ताजा आंकड़ों के अनुसार 142.86 करोड़ आबादी के साथ भारत ने इस मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है और सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। चीन की आबादी 142.57 करोड़ है और वह दुनिया का दूसरा, सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश हो गया है। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि जब किसी देश के जनसांख्यिकीय लाभांश का आकलन किया जाता है तो हमें केवल जनसंख्या के आकार पर नहीं बल्कि उसकी जनसंख्या की गुणवत्ता को भी देखना होता है। उन्होंने आगे कहा कि आकार मायने रखता है, लेकिन ज्यादा मायने प्रतिभा संसाधन रखते हैं।

इधर चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में जंनसंख्या घटने को लेकर चिंता साफ झलक रही है। गौरतलब है कि वर्षों तक चीन में बड़े पैमाने पर कामकाजी उम्र की आबादी रही है। इसी के बल पर ड्रैगन ने दुनिया में तेजी से विकास किया। सस्ते लेबर के दम पर दुनिया भर में निर्यात किए जाने वाले सामानों का उत्पादन

किया। अब जब यहां की जनसंख्या घट रही है तो चीन के बाहर के उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में महंगाई बढ़ने की संभावना अधिक है। इसके सबसे बड़ा कारण यह है कि अमेरिका भी चीनी आयात वाले सामान पर बहुत अधिक निर्भर है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानहानि केस में राहुल गांधी को झटका, सजा रद्द करने की अर्जी कोर्ट ने की खारिज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,गुजरात में सूरत की सत्र अदालत ने 'मोदी उपनाम' वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अपील खारिज कर दी है। सत्र अदालत ने राहुल को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी याचिका को गुरुवार खारिज कर दी। इधर कोर्ट में याचिका खारिज होना राहुल गांधी के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है। क्योंकि दोषी ठहराये जाने और सजा सुनाये जाने के फैसले पर रोक लगने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल हो सकती थी। लेकिन अब इस बात की संभावना कम हो गयी है। यहां यह बात गौरतलब है ?कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आरपी मोगेरा की अदालत ने गत बृहस्पतिवार को राहुल गांधी के आवेदन पर फैसला आज तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

राहुल को आपराधिक मानहानि के इस मामले में दो साल के कारावास की सजा सुनाये जाने के एक निचली अदालत के फैसले के खिलाफ राहुल की अपील लंबित रहने के बीच फैसला सुरक्षित रखा गया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी करार दिया था और दो साल के कारावास की सजा सुनाई थी जिसके एक दिन बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया। राहुल ने निचली अदालत के आदेश के खिलाफ तीन अप्रैल को सत्र अदालत का रुख किया था। उनके वकीलों ने दो आवेदन भी दाखिल किये थे जिनमें एक सजा पर रोक के लिए और दूसरा अपील के निस्तारण तक दोषी ठहराये जाने पर स्थगन के लिए था।

अदालत ने राहुल को जमानत देते हुए शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी और राज्य सरकार को नोटिस जारी किये थे। उसने पिछले गुरुवार को दोनों पक्षों को सुना और फैसला 20 अप्रैल तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

यहां गौरतलब है कि राहुल गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से सांसद बने थे। गत 23 मार्च को सूरत की एक अदालत ने

राहुल गांधी केस सूरत कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे : नैषध देसाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मानहानि केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत के सेशन्स कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। सेशन्स कोर्ट ने राहुल गांधी की दो साल की सजा पर रोक लगाने की मांग करती याचिका आज खारिज कर दी है। सूरत कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस नेता और राहुल गांधी की जमानतदार नैषध देसाई ने कहा कि सेशन्स कोर्ट के फैसले कल गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। हमें उम्मीद है कि हाईकोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिलेगी। सूरत की सेशन्स कोर्ट ने अपने फैसले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के बारे में कोई कारण नहीं बताया। उन्होंने कहा कि मानहानि के केस में ज्यादा से ज्यादा दो वर्ष की सजा का प्रावधान है। शब्दों की मानहानि किसी व्यक्ति पर होनी चाहिए। जबकि राहुल गांधी ने अपने बयान में मोदी समाज की, मोदी उपनाम की या ओबीसी समाज की कोई आलोचना नहीं की। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लेकर यह बयान दिया था और वह भी एक सार्वजनिक रैली में। उन्होंने कहा कि शब्दों की मानहानि पर आज तक दुनिया की किसी अदालत ने दो साल की सजा नहीं सुनाई। गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने कहा कि हमें न्याय पालिका पर पूर्ण भरोसा है। सूरत के सेशन्स कोर्ट से राहुल गांधी को दी गई सजा पर रोक लगाने की मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट ने सजा पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। अब हमारी दिल्ली और गुजरात की लीगल टीमें साथ मिलकर सामान्य व्यक्ति को लोकतंत्र में जो अधिकार प्राप्त है, उन्हीं अधिकारों को उपयोग कर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हाईकोर्ट में अपील करने के लिए लीगल टीम ने कागजी कार्यवाही भी शुरू कर दी है।

गुजरात के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुशीलाबेन सेठ का 95 वर्ष की आयु में निधन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुशीलाबेन केशवलाल सेठ का आज 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पिछले काफी समय से बीमार चल रही डॉ. सुशीला सेठ ने आज सुबह अंतिम सांस ली। डॉ. सुशीला सेठ के निधन से जैन समाज समेत राजनीतिक क्षेत्र के लोगों में शोक व्याप्त है। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ डॉ. सुशीला सेठ ने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। डॉ. सुशीला सेठ का जन्म 26 मार्च 1928 को पाटणवाव में समाज सेवी परिवार केशवलाल सेठ और कसुंबाबेन सेठ का यहां हुआ था। बचपन से ही तेजस्वी सुशील सेठ ने मेडिकल की पढ़ाई की। हांलाकि बाद में डॉ. सुशीला सेठ ने चिकित्सा व्यवसाय का त्याग किया और बाद में समाज सेवा के उद्देश्य से राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया। गुजरात में सामाजिक कल्याण मंत्री के रूप में डॉ. सुशीला सेठ ने निष्ठापूर्वक काम किया। गुरुवार की सुबह डॉ. सुशीला सेठ के निधन के बाद उनका पार्थिव देह कांता स्त्री विकास गृह में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया और वहां से राजकोट के रामनाथ परा स्मशान में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

सूरत के भेस्तान में चार असामाजिक तत्वों ने दो युवकों को चाकू मारा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान में एक बार फिर असामाजिक तत्वों द्वारा गुंडागर्दी की घटना सामने आई है. भेस्तान में प्रियंका ग्रीन पार्क सोसायटी के पास व्यवसायिक विवाद में चार असामाजिक तत्वों ने दो युवकों पर पैडल व अन्य हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया. पूरा हमला सीसीटीवी में कैद हो गया. इस मामले में पांडेसरा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है. आगे की जांच कर रहा है। सूरत के वड़ोद गांव में सागर सिनेमा के पास लक्ष्मी नगर सोसाइटी में रहने वाले पंकज गोपाल पासवाना व उसका दोस्त बृजेश राजपूत व उसका दोस्त बृजेश राजपूत बाइक पर घर के पास एसके. वह ग्रीन नामक दुकान पर दूध देने गया, जब वह दूध देने निकला तो दो मोपेड पर स्थानीय क्षेत्र के दबंग व असामाजिक तत्वों छोटे व रॉकी वर्मा सहित चार लोगों ने गाड़ी चढ़ा ली. और दुकान के बाहर आकर दोनों युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया।

पांडेसरा में असामाजिक प्रभाव वाले छोटे राजपूत ने चप्पू से हमला कर पेट व शरीर के अन्य हिस्सों में जख्मी कर दिया, पंकज को बचाने की कोशिश में रोकी वर्मा नाम के व्यक्ति ने भी चप्पू से हमला कर घायल कर दिया . दोनों पैरों के तलुए और पैर की एड़ी चारों भाग गए।

पांडेसरा के चार असामाजिक तत्वों द्वारा की गई पूरी गुंडागर्दी और हंगामा दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसमें दुकान के बाहर खड़े दो युवक दुकानदार से बात कर रहे थे कि अचानक मोपेड पर सवार चार लोगों ने आकर उन पर सीधा हमला कर दिया. जिसमें चारों लोग मिलकर युवक की पिटाई कर रहे थे। दुकानदार और एक महिला द्वारा दोनों युवकों को बचाने का प्रयास किया गया। छतों पर सरेआम धारदार हथियारों से युवकों पर

मोडासा में पटाखों के गोदाम में भीषण आग,4 श्रमिकों की जिंदा जलकर मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अरवल्ली जिले में आज एक बड़े हादसे में चार लोगों की आग जलकर मौत हो गई। जबकि पांच लोगों को बचा लिया गया। घटना जिले के मोडासा स्थित एक पटाखों के गोदाम में हुई। जानकारी के मुताबिक मोडासा स्थित गोदाम में रखे पटाखों में लगी आग लगने से वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। खबर मिलते ही मोडासा नगर पालिका की फायर टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने की कोशिशें तेज कर दीं। हिम्मतनगर और गांधीनगर से भी दमकल की गाडियां घटनास्थल पर पहुंच गई। आग इस घटना में 4 लोगों की आग में जलकर मौत हो गई। जबकि 5 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि वेल्डिंग के कारण पटाखों के गोदाम में आग लगी। आग की इस घटना में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

छेड़छाड़ के मामले में हाईकोर्ट ने भाजपा विधायक की अग्रिम जमानत की याचिका ठुकराई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भाजपा विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री गजेन्द्रसिंह परमार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में गजेन्द्रसिंह परमार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे गंभीर मामले में आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब गजेन्द्रसिंह परमार को राजस्थान की पुलिस कभी भी गिरफ्तार कर सकती है। उल्लेखनीय है कि एक महिला ने साबरकांठा के प्रांतिज से भाजपा विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री गजेन्द्रसिंह परमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। गुजरात में कार्यवाही नहीं होने की वजह से महिला ने राजस्थान पुलिस में शिकायत की थी। जिसमें महिला आरोप लगाया था कि अगस्त 2020 को वह गजेन्द्रसिंह परमार के साथ राजस्थान के जेलसमेर जा रही थी। रास्ते में आबू रोड के निकट महिला के साथ आई उसकी नाबालिग बेटी के साथ गजेन्द्रसिंह ने शारीरिक छेड़छाड़ की थी। इस घटना से डरकर महिला अपनी बेटी के साथ अहमदाबाद लौट आई थी। जब इसकी शिकायत की तो जान से मार देने की धमकी दी थी। इस मामले में सिरोही पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर महिला ने कोर्ट के दरवाजे खटखटाए और कोर्ट के आदेश पर गजेन्द्रसिंह परमार और धमकी देनेवाले महेश पटेल के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। साबरकांठा डिस्ट्रिक्ट बैंक के चेयरमैन और साबर डेयरी के पूर्व चेयरमैन महेश पटेल ने महिला के घर जाकर मार देने की धमकी थी। महेश पटेल के खिलाफ भी महिला की बेटी के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है। इसी मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने आज गजेन्द्रसिंह परमार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब गजेन्द्रसिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

भीषण गर्मी के बीच गुजरात में जारी है कोरोना का कहर, 24 घंटों में 331 नए मरीज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में पिछले काफी समय से कोरोना के नए मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। गुरुवार को राज्य में कोरोना के 331 नए मरीज सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक 127 केस अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। राज्य में आज कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 127 नए केस दर्ज हुए हैं। मेहसाणा में 31, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 25, सूरत में 22, सूरत कॉर्पोरेशन में 21, साबरकांठा में 15, भरुच में 11, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 8, भावनगर में 7, वलसाड में 7, मोरबी में 6, पाटण में 6, सुरेन्द्रनगर में 6, अमरेली में 4, राजकोट में 4, अहमदाबाद में 3, आणंद में 3, गांधीनगर में 3, नवसारी में 3, पोरबंदर में 3, वडोदरा में 3, खेडा में 2, महीसागर में 2, पंचमहल में 2, राजकोट में 2, बनासकांठा, बोटाद, दाहोद, गिर सोमनाथ और गिर सोमनाथ में 1-1 समेत राज्यभर में कुल 331 नए मरीज पिछले 24 घंटों में सामने आए हैं। राज्य में फिलहाल कोरोना के 2042 सक्रिय मरीजों में 6 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 2036 लोग स्टेबल हैं। राज्य में अब तक 1275338 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 11072 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

नरोडा हिंसा पर कोर्ट के फैसले के बाद डॉ. कोडनानी ने कहा-आखिर सत्य की जीत हुई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

फरवरी 2002 में पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा गाम हिंसा पर स्पेशल कोर्ट ने आज बड़ा फैसला सुनाया।

स्पेशल कोर्ट की न्यायधीश शुभदा बख्शी ने सभी 69 आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया। कोर्ट के फैसले के बाद गुजरात की पूर्व मंत्री डॉ. माया कोडनानी मीडिया से बात करते हुए भावुक हो गईं।

उन्होंने कहा कि आज न्याय पालिका पर विश्वास और बढ़ गया है। आखिरकार सत्य की जीत हुई है। सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।

गौरतलब है गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद गुजरातभर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे, जिसमें एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। जिसमें हिन्दू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग शामिल थे। 28 फरवरी को पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा गाम में हुई हिंसा में 11 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में 86 लोगों को आरोपी बनाया था।

जिसमें 17 आरोपियों की मौत हो गई थी। शेष 69 आरोपियों को विशेष अदालत ने आज निर्दोष बरी कर दिया। कोर्ट का फैसला आनेवाला था, जिससे सभी हाजिर रहने का आदेश दिया था। 69 आरोपियों में 67 आरोपी कोर्ट में फैसले के दौरान उपस्थित रहे। दो आरोपियों में एक कैंसर का मरीज है और अस्पताल में उपचाराधीन है।

जबकि दूसरा आरोपी संपर्क विहीन होने की वजह से कोर्ट में अनुपस्थित रहा।

निर्दोष घोषित किए जाने के बाद सभी लोग भावुक हो गए और कोर्ट के बाहर जय श्रीराम का जयघोष शुरूहो गया।

स्पेशल कोर्ट का बड़ा फैसला, नरोडा हत्याकांड के सभी आरोपी निर्दोष घोषित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

माया कोडनानी, बाबु बजरंगी और जयदीप पटेल समेत सभी ६९ आरोपियों की मिली बड़ी राहत

वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के दौरान पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में हुए नरसंहार के मामले में आज अहमदाबाद में स्पेशल कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। स्पेशल कोर्ट ने राज्य की पूर्व मंत्री माया कोडनानी, बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी और विहिप नेता जयदीप पटेल समेत सभी 69 आरोपियों को निर्दोष घोषित कर दिया। विशेष न्यायधीश शुभदा बख्शी ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट का फैसला आने के बाद आरोपियों के सगे-संबंधों ने जय श्रीराम का उदघोष किया। पिछले सप्ताह मामले की सुनवाई पूर्ण हो गई थी और कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। आज सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को कोर्ट में हाजिर रहने का आदेश दिया गया था। कोर्ट परिसर सुबह से पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। कोर्ट के भीतर बाहर की किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। दूसरी ओर नरोडा गाम में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि 27 फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के कोच नंबर 6 में आग लगा दी गई थी।

जिसमें बच्चों और महिलाओं समेत 59 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद गुजरातभर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे। उसी दौरान पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा गाम में हुई हिंसा में 11 लोगों की मौत हो गई थी। नरोडा गाम मामले में पुलिस ने कुल 86 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जिसमें राज्य की पूर्व मंत्री माया कोडनानी, बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी और विहिप नेता जयदीप समेत 86 लोग शामिल थे। इनमें से 17 आरोपियों की मौत हो चुकी है। इस मामले में 26 अगस्त 2008 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) को जांच सौंपी गई थी। 58 गवाहों ने बचाव पक्ष के बयान दिया था। जबकि 187 गवाहों ने पीड़ितों के पक्ष में अपना बयान दर्ज कराया था। कोर्ट में ट्रायल शुरूहोने के करीब 14 वर्ष तक चले इस मामले में 6 न्यायधीशों ने लगातार सुनवाई की।

21 साल 41 दिनों के बाद आज आनेवाले फैसले को लेकर दोनों पक्षों को काफी उम्मीदें थीं। पीड़ित पक्ष को उम्मीद थी कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। लेकिन फैसला आरोपियों के पक्ष में आया। कोर्ट ने सभी 69 आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया।

मोपेड सिखाने के बहाने भांजी को एकांत में ले जाकर सगे मामा करता रहा दुष्कर्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरुच, अंकलेश्वर में मामा-भांजी के पवित्र रिश्तों को कलंकित करती घटना सामने आई है। कलयुगी मामा अपनी भांजी को मोपेड सिखाने के बहाने सूनसान जगह ले जाता और उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। मामा के कुकर्मों का उस वक्त भांडा फूट गया जब भांजी गर्भवती हो गई। जिसके बाद पीड़ित लड़की के माता ने अपने सगे भाई के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने पोक्सो और दुष्कर्म के तहत केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने की कोशिशें शुरू की हैं। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के अंकलेश्वर जीआईडीसी क्षेत्र में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की को उसका सगा मामा 21 जनवरी 2023 को मोपेड सिखाने के बहाने घर से ले गया था। अंकलेश्वर के नोबल मार्केट के बगल में ले जाकर मामा ने अपनी सगी भांजी के साथ दुष्कर्म किया और उसे धमकी दी कि अगर किसी से कुछ कहा तो जान से मार दूंगा। मामा की धमकी भयभीत लड़की ने कभी अपना मुंह नहीं खोला। ऐसा उसने एक बार नहीं कई बार किया। चार महीने बाद जब लड़की के पेट में दर्द हुआ तो माता-पिता उसे अस्पताल ले गए। जांच में लड़की के गर्भवती होने की बात सुनकर माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। लड़की से पूछताछ करने पर उसने बताया कि मोपेड सिखाने के बहाने मामा निर्जन स्थान पर ले जाते, जहां उसके साथ दुष्कर्म करते थे। इस खुलासे के बाद पीड़िता के माता-पिता ने कलयुगी मामा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरूकी है।